RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -60 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, मंगलवार 13 मई, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 10

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

ऑपरेशन सिंदूर अभी सिर्फ स्थगित, पाक को कसौटी पर परखेंगेः मोदी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक नई लकीर बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कर दिया कि अभी सिर्फ इसे स्थगित किया गया है। राष्ट्र के नाम संबोधन में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य में भी आतंकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को न्याय की अखंड प्रतिज्ञा बताया। प्रधानमंत्री के अनुसार पाकिस्तान की ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाने की शर्त पर ही ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित किया गया है, लेकिन पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापा जाएगा। एक तरफ जब अमेरिकी राष्टपति बार बार सीजफायर के लिए श्रेय ले रहे है। ऐसे में प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि अमेरिका को भी था और देश में सवाल पूछ रहे राजनीतिक दलों को भी।

तबाही के बाद पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से संपर्क किया

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के ड्रोन्स, भारत की मिसाइलों ने सटीकता से हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिन पर पाकिस्तान को बहुत घमंड था। भारत ने पहले तीन दिन में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था। इसलिए भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा। पाकिस्तान दुनियाभर में तनाव कम करने के लिए गुहार लगा था और बुरी तरह पिटने के बाद इसी मजबूरी में 10 मई की दोपहर को पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से संपर्क किया। तब तक हम आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर तबाह कर चुके थे। आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया था। पाकिस्तान के सीने में बसाए गए आतंक के अड्डों को हमने खंडहर बना दिया था। इसलिए जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गई, पाकिस्तान की तरफ से जब यह कहा गया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा, तो भारत ने उस पर भी विचार किया। मैं फिर दोहरा रहा हूं कि हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों पर अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है। आने वाले दिनों में हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे कि वह क्या रवैया अपनाता है।

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची

प्रधानमंत्री ने कहा, 'साथियों! भारत की तीनों सेनाएं, वायुसेना, थलसेना और नौसेना, हमारे सीमा सुरक्षा बल, भारत के अर्द्धसैनिक बल लगातार अलर्ट पर हैं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ भारत की नीति है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में एक नई लकीर खींच दी है। एक नया पैमाना। न्यू नॉर्मल तय कर दिया है।'

पहला- भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे। हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंक की जड़ें निकलती हैं।

दूसरा- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा।

तीसरा- हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम जान चुके हैं आतंकी

पहलगाम में आतंकियों द्वारा निर्दोष लोगों को परिवार वालों, बच्चों के सामने धर्म पूछकर मारे जाने को व्यक्तिगत पीड़ा बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हर आतंकी और हर आतंकी संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों, बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, इसीलिए भारत ने आतंक के हेडक्वार्टर्स उजाड़ दिये। उन्होंने भारतीय सैन्य बलों के शौर्य को सैलूट करते हुए कहा कि आतंकियों के हेडक्वार्टर्स और ट्रेनिंग कैंपों को खंडबर में तब्दील कर दिया गया। उन्होंने इन आतंकी ठिकानों को ग्लोबल टैररिज्म की यूनिवर्सिटी बताते हुए उनके तार न्यूयार्क के 9/11 हमले और लंदन के ट्यूब धमाकों के साथ भी जोड़ा। ध्यान देने की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद बिहार से बोलते हुए साफ कर दिया था कि आतंकवादियों और उनके आकाओं को ऐसी सजा मिलेगी, जिसके बारे में उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था। भारतीय सेनाओं ने इसे सच कर दिखाया। आतंक के ये आका जो पिछले ढाई-तीन दशकों से पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे थे, उन्हें एक झटके में खत्म कर दिया। आतंकियों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत इतना बड़ा फैसला ले सकता है। लेकिन एकजुट भारत ने फौलादी फैसला किया और इसे कर दिखाया। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान ने हमारी सीमा पर वार किया तो हमने उसके सीने पर वार किया है।

अभी खत्म नहीं हुआ ऑपरेशन सिंदूर!

ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित करने को लेकर देश के अंदर उठ रहे कुछ सवालों का भी उत्तर दे दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की आक्रमक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान दुनिया भर से तनाव कम करने की गुहार लगाने लगा। इसी क्रम में पाकिस्तानी सेना ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया। भविष्य में कोई भी आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाने की गारंटी दिये जाने के बाद ही इस पर विचार किया। पहले ही आतंकी इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह करने और बड़ी संख्या में आतंकी आकाओं को मार गिराने को देखते हुए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया। लेकिन तीनों सेनाएं, बीएसएफ और अ?र्द्धसैनिक बल लगातार अलर्ट पर हैं। उन्होंने साफ किया कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ भारत की नई नीति है। इस नई नीति के तहत हर आतंकी हमला का करारा जवाब, न्यूक्लियर ब्लैकमेल को नहीं सहना और आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखना शामिल है। अब से पहले पाकिस्तान और आतंक को इतनी स्पष्टस्टता के साथ नहीं जोड़ा गया था। उन्होंने कहा कि अब यही न्यू मार्मल है। दो दिन पहले ही सरकार की ओर से संदेश दिया आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा। प्रधानमंत्री ने दूसरे शब्दों में इसी को बयां किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर को अपनी गर्दन की सबसे अहम नस बताने वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष असीम मुनीर और प्रधानंमत्री शहवाज शरीफ को स्पष्ट संदेश दे दिया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी संदेश दे दिया कि कश्मीर पर अब कोई बात नहीं होगी और न ही किसी क् मध्यस्थता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर ही होगी। इसके अलावा किसी मुद्दे पर बातचीत नहीं होगी।

बहन और बेटियों के माथों से सिंदूर हटाने का अंजाम

इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र, हर नागरिक, हर वर्ग, हर समाज, हर राजनीतिक दल एक स्वर में आतंक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ। हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारत की सेनाओं को पूरी छूट दे दी और आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहन और बेटियों के माथों से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ नाम नहीं है। यह देश के कोटि-कोटि लोग भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की दूर रात, 7 मई की सुबह पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है।

पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'साथियों! भारत की इस कार्रवाई से पाकिस्तान घोर निराशा में घिर गया था। हताशा में घिर गया था। बौखला गया था और इसी बौखलाहट में उसने एक और दुस्साहस किया। आतंक पर भारत की कार्रवाई का साथ देने के बजाय पाकिस्तान ने भारत पर ही हमला करना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने हमारे स्कूलों-कॉलेजों, गुरुद्वारों, मंदिरों, सामान्य नागरिकों के घरों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया।

एकल पट्टा केस में पूर्व-मंत्री शांति धारीवाल की मुश्किलें बढ़ेंगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, पूर्व आईएएस जीएस संधू सहित अन्य अफसरों से जुड़े चर्चित एकल पट्टा मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की रिवीजन याचिका वापस लेने को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के साथ ही अब शांति धारीवाल और जीएस संधू सहित अन्य अफसरों के खिलाफ एसीबी कोर्ट का पुराना फैसला लागू हो गया। नए सिरे से जांच का रास्ता साफ हो गया है। ?पिछली सरकार की रिवीजन याचिका वापस लेने से इस केस में सरकार आरोपियों के खिलाफ ट्रायल कोर्ट से लेकर ऊपर तक पैरवी कर सकेगी। दूसरे फैसले में हाईकोर्ट ने अशोक पाठक को एकल पट्टा केस में पक्षकार (इंटरवीनर) बनने की याचिका मंजूर कर ली है। चीफ जस्टिस की बेंच में अब 14 मई को अगली सुनवाई होगी। अगली सुनवाई में अब शांति धारीवाल और आरोपी पूर्व अफसरों की याचिकाओं पर बहस होगी। सरकार ने कहा था- सरकार आरोपियों के खिलाफ सबूतों के आधार पर केस को आगे बढ़ाना चाहती है पिछले दिनों ही हाईकोर्ट ने इस मामले में बहस पूरी हुई थी। इस पर सीजे एमएम श्रीवास्तव ने सरकार की अर्जी पर फैसला बाद में देना तय किया था। राज्य सरकार की ओर से एएसजी एसवी राजू, एएजी शिवमंगल शर्मा और विशेष लोक अभियोजक अनुराग शर्मा ने पैरवी की। राज्य सरकार का तर्क था कि अभियोजन वापस लेने का पूर्व सरकार का निर्णय अब औचित्यहीन है। मौजूदा राज्य सरकार आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर केस को आगे बढ़ाना चाहती है। राज्य सरकार को यह अधिकार है कि यदि जांच में कोई कमी, गलती है तो वह न्याय के लिए पुराने फैसले पर पुनर्विचार कर सकती है। सरकार ने इसी तर्क के आधार पर रिवीजन याचिका वापस लेने की मंजूरी मांगी थी। सरकार ने इस मामले में हाईकोर्ट में दो अर्जियां दायर की थीं। इनमें कहा गया था कि ट्रायल कोर्ट के सामने दायर क्लोजर रिपोर्टर्स अधूरी और दोषपूर्ण साक्ष्यों पर की गई जांच के आधार पर थीं।

मोदी के संबोधन के कुछ घंटों के बाद ही राजस्थान में भी दिखे ड्रोन, कई इलाकों में करवाना पड़ा ब्लैकआउट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बीच ड्रोन एक्टिविटी को लेकर लगातार सूचनाएं मिल रही है। सोमवार 12 मई को भी जम्मू-कश्मीर और पंजाब के अलावा राजस्थान में कुछ इलाकों ड्रोन घूमने का सूचना मिली है। बता दें कि यह उस वक्त हुआ, जब कुछ ही घंटों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया। राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर के एक गांव में सोमवार रात को ड्रोन दिखाई देने की खबर मिली है। यह भी जानकारी मिली है कि भारतीय एयर डिफेंस ने उसे मार गिराया है। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के कुछ इलाकों में सोमवार रात को ब्लैक आउट किया गया। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रामावतार मीणा ने इस संबध में सोमवार रात 10.26 बजे अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए ब्लैक आउट की जानकारी दी। हांलाकि झुंझुनूं जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला कलेक्टर की एक्स पर जारी की गई पोस्ट से पहले ही जिले के चिड़ावा, पिलानी, सिंघाना, सुलताना, बुहाना आदि इलाकों में ब्लैक आउट करवाया दिया गया था। इसी बीच जिला कलेक्टर के आदेश के कुछ मिनट बाद ही रात 10.47 बजे झुंझुनू जिला कप्तान शरद चौधरी के हवाले से पुलिस कंट्रोल रुम ने जारी सूचना में कलेक्टर की सूचना का हवाला देते हुए लोगों से कहा गया है कि वे घबराए नहीं, बल्कि संदिग्ध वस्तु दिखने पर नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना देवे। इधर, ब्लैक आउट की सूचना से लोगों में पैनिक का माहौल बन आया। आमजन अपने अपने लोगों की कुशलक्षेम और जानकारी जुटाने लग गए। आपको बताते चले कि जिला मजिस्ट्रेट रामावतार मीणा ने देर रात एक्स पर साझा किए पोस्ट में लिखा कि झुंझुनूं जिले के चिड़ावा -पिलानी के आसमान में संदिग्ध वस्तु दिखाई देने की सूचना मिली है। घबराएं नहीं, सतर्कता बरतें। एहतियात के तौर पर कुछ इलाकों में ब्लैक आऊट किया गया है। उल्लेख किया गया था कि किसी प्रकार की सूचना मिलने पर जिला और पुलिस प्रशाशन को तत्काल सूचित करें। इसके बाद मध्य रात्रि होने से कुछ मिनट पहले 11.42 बजे झुंझुनूं जिला पुलिस एवं प्रशासन की ओर से सूचना दी गई कि आसमान में संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर एहतियातन करवाया गया। ब्लैक आउट अब स्थिति सामान्य होने पर हटाया जा रहा है। इधर, पावर कट के बाद पुलिस गाडियों में लगे माइक से एनाउसमेंट (मुनादी) करवाई गई। जानकारी दी गई कि आसमान में ड्रोन जैसी संदिग्ध वस्तु दिखाई दी है। झुंझुनूं के कुछ इलाकों में लगभग डेढ पौने दो घंटे लाइट बंद कर ब्लैक आउट के चलते यहां रात भर खौफ व दहशत का माहौल बना हुआ है

निवेशक और सरकार के बीच समन्वय बनाएंगे नोडल अधिकारीः सीएम शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राजस्थान की देश-दुनिया में निवेश के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में पहचान बनी है। समिट में हुए निवेश समझौतों के धरातल पर उतरने से राज्य की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे निजी क्षेत्र में 6 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित करने के संकल्प को भी बल मिलेगा। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट के तहत अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश समझौतों को समयबद्ध धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। परियोजनाएं स्थापित करने में निवेशकों को सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि वे अपने प्रोजेक्ट्स स्थापित करने की संपूर्ण प्रक्रिया के लिए चरणबद्ध रूप से समय का निर्धारण करें और उन्हें तय अवधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि निवेशक अपने प्रोजेक्ट की प्रगति से समय-समय पर राज्य सरकार को अवगत कराएं। शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि निवेशकों और राज्य सरकार के सामंजस्य से परियोजनाएं समय पर मूर्त रूप लेंगी। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि सरकार और निवेशकों के बीच समन्वय के लिए प्रत्येक परियोजना के अनुसार एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। वे तय समय में परियोजना का पूर्ण होना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रत्येक माह सभी प्रस्तावों के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा कर रही हैं। जिला कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव स्तर तक मॉनिटरिंग कर कार्यों को गति दी जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पवन, हाइब्रिड, बैट्री स्टोरेज और पम्प स्टोरेज परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन व कनेक्टिविटी के कार्यों को गति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के उद्देश्य की पूर्ति में नवीनीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार आगामी वर्षों में राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 30 गीगावाट से बढ़ाकर 125 गीगावाट करने के लिए प्रयासरत है। सरकार सौर व पवन ऊर्जा आधारित परियोजनाओं के साथ पंप स्टोरेज तथा बैटरी स्टोरेज जैसे नवाचारों पर भी जोर दे रही है। इस अवसर पर निवेशकों ने अपने एमओयू पर कार्यों की प्रगति को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अनुरूप सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शिता से धरातल पर उतारेंगे। निवेशकों ने अपने विभिन्न विषयों के समाधान पर मुख्यमंत्री की पहल पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में वर्तमान सरकार के समय निवेश के लिए बेहतरीन माहौल बना है। बैठक में बताया गया कि राइजिंग राजस्थान समिट के तहत 66.40 गीगावाट क्षमता की पवन तथा हाइब्रिड परियोजनाओं की स्थापना के लिए लगभग 4.23 लाख करोड़ रूपये के निवेश के 31 एमओयू हुए हैं। इनमें से 2 लाख करोड़ रूपये के निवेश के लिए 26 हजार 970 मेगावाट के 14 एमओयू की परियोजनाओं का पंजीकरण हो चुका है तथा 12 एमओयू के तहत कार्य की शुरूआत हो चुकी है। समिट के तहत बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं के लिए 53 हजार 900 करोड़ रूपए के कुल 18 एमओयू हुए। इनमें बैट्री स्टोरेज मैन्यूफेक्चर्स के लिए 6 हजार 250 करोड़ रूपए के 5 और बैट्री स्टोरेज के लिए विकासकर्ताओं के साथ 47 हजार 650 करोड़ रूपए के 13 एमओयू हुए हैं। पम्प भंडारण परियोजनाओं के लिए 1.52 लाख करोड़ रूपए के निवेश के साथ 20.5 गीगावाट के लिए 13 एमओयू हुए हैं। इनमें सीपीएसयू द्वारा 73 हजार 800 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 6 हजार 940 मेगावाट की क्षमता के 4 एमओयू, निजी विकासकर्ता द्वारा 78 हजार 67 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 13 हजार 600 मेगावाट की क्षमता के 9 एमओयू हुए हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव सहित पवन, हाइब्रिड, पम्प स्टोरेज एवं बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं से संबंधित निवेशक उपस्थित रहे।

सीजफायर के बाद राजस्थान के शहरों में स्थिति सामान्य, स्कूल और एयरपोर्ट शुरू हुए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की सहमति के बाद जोधपुर में हालात सामान्य हो गए हैं। इसके चलते शहर में मंगलवार से स्कूल फिर से खुल जाएंगे। वहीं जोधपुर एयरपोर्ट से फ्लाइट्स का संचालन भी शुरू हो गया है। बाजार में रौनक लौट आई है और लोगों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि भारत- पाकिस्तान तनाव के कारण पिछले काफी दिनों से लोगों में चिंता बढ़ी हुई थी। जोधपुर शहर में जिंदगी फिर से पटरी पर लौट रही है। बाजार खुल गए हैं। और लोगों की चहल-पहल दिखाई दे रही है। रविवार रात को शहर में ब्लैकआउट भी नहीं किया गया. प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहा है। पीएम मोदी के संबोधन के बाद बाड़मेर में आपातकाल स्थिति के लिए लगी सभी प्रकार की पाबंदियों को हटा लिया गया है। बता दें कि यहां रविवार को ब्लैकआउट जारी रखा गया था। ड्रोन एक्टिविटीज को लेकर भी सूचना मिली थी। यहां भी स्कूल- कॉलेज भी खुल जाएंगे। श्रीगंगानगर जिले में रविवार रात जिला प्रशासन ने एहतियातन ब्लैकआउट के निर्देश जारी किए। ताजा अपडेट भी यही है कि यहां अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर के पास सतर्कता बरती जा रही है। गंगानगर के श्रीकरणपुर,रायसिंहनगर, अनूपगढ़ ,घड़साना और यहां से लगी हुई तीन किलोमीटर की भारत- पाकिस्तान इंटरनेशनल सीमा शाम 7 बजे से 6 बजे सुबह तक किसी भी व्यक्ति का आवागमन प्रतिबंधित है। हालांकि अन्य स्थानों पर बिजली सप्लाई शुरू कर दी गई है।

वरिष्ठ अध्यापकों में आक्रोश, सरकार की अनदेखी से बिगड़ रहे हालात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ (रेस्टा) ने सरकार पर आरोप लगाया है कि बार-बार ज्ञापन देने और व्यक्तिगत मुलाकातों के बावजूद उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है। रेस्टा के प्रदेशाध्यक्ष हरलाल गढ़वाल ने बताया कि अंतरमंडल स्थानांतरण के दौरान वरिष्ठता का विलोपन नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन सरकार इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट नीति नहीं बना रही है। उन्होंने मांग की कि नव क्रमोन्नत सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में व्याख्याताओं के पद सृजित किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके और वरिष्ठ अध्यापकों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त हों। रेस्टा के प्रदेश महामंत्री सुरेश बिश्नोई ने बताया कि तीन सत्रों से लंबित चल रही डीपीसी को शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए, जिससे योग्य अध्यापकों को उनका हक मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि रेस्टा राज्य का सबसे बड़ा कैडर बेस संगठन है, लेकिन सरकार इस संगठन की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है। इसी उपेक्षा के कारण प्रदेशभर के वरिष्ठ अध्यापकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। बिश्नोई ने चेतावनी दी कि यदि सरकार अब भी चुप्पी साधे रखती है और मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है, तो संघ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगा और इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक वर्ग लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से सरकार से समाधान की अपील कर रहा है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के चलते हालात बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदेश महासचिव मनोज धाभाई ने स्थानांतरण नीति की पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में बिना अनुशंसा के स्थानांतरण की स्पष्ट नीति बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिफारिश आधारित प्रणाली से योग्य और जरूरतमंद अध्यापक उपेक्षित रह जाते हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ता है। रेस्टा ने सरकार से मांग की है कि वह शीघ्र ही संगठन की सभी मांगों पर सकारात्मक पहल करे और अध्यापकों की नाराजगी को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में प्रदेशभर के वरिष्ठ अध्यापक आंदोलन की राह पकड़ने को मजबूर होंगे।

नारायणपुर में आज लगेगा निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

कस्बे में आज आमजन की नेत्र स्वास्थ्य को लेकर एक जनकल्याणकारी पहल के तहत निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नारायणपुर परिसर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के जरूरतमंद नागरिकों को नेत्र जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर संयोजक नित्येंद्र मानव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के सहयोग से शंकरा आई हॉस्पिटल और जीवन बचाओ आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस शिविर में मोतियाबिंद की प्रारंभिक जांच, अन्य नेत्र रोगों की पहचान तथा योग्य रोगियों को निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा दी जाएगी। नेत्र चिकित्सा शिविर का मुख्य उद्देश्य ऐसे लोगों को लाभ पहुँचाना है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और आंखों की गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं लेकिन उचित इलाज का खर्च वहन नहीं कर सकते। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम इस शिविर में मौजूद रहेगी जो आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नेत्र जांच करेगी। आवश्यकता अनुसार चयनित रोगियों को आगे के उपचार और ऑपरेशन के लिए जयपुर रेफर किया जाएगा, जहाँ उन्हें निशुल्क ऑपरेशन और दवा की सुविधा दी जाएगी। शिविर में भाग लेने के लिए इच्छुक लोगों को सुबह समय पर पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण की प्रक्रिया सुबह 9 बजे से शुरू होगी और पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर की जाएगी। आयोजकों ने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों को पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। शिविर में उपस्थित सभी लोगों के लिए बैठने, पानी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है। नारायणपुर सहित आस-पास के गांवों के लोगों में इस शिविर को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को इसकी जानकारी दी गई है, जिससे अधिक से अधिक लोग इस निशुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ ले सकें। आयोजकों ने आमजन से अपील की है कि वे समय पर शिविर में पहुँचें और अपनी नेत्र समस्याओं की जाँच करवाकर इस जनसेवा अभियान का हिस्सा बनें।

बुद्ध पूर्णिमा पर ग्राम न्यायालय नीमराना में अधिवक्ताओं ने किया महात्मा बुद्ध को नमन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

ग्राम न्यायालय परिसर नीमराना में बार एसोसिएशन द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर महात्मा बुद्ध को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने महात्मा बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण कर लड्डू वितरित किए और उनके जीवन सिद्धांतों को याद किया। वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक पनवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महात्मा बुद्ध के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में महात्मा बुद्ध के बताए हुए अहिंसा, करुणा, और सत्य जैसे आदर्शों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। पनवाल ने उपस्थित सभी लोगों से आह्वान किया कि वे बुद्ध के मार्ग का अनुसरण कर समाज में शांति और सद्भाव फैलाएं। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने बुद्ध की शिक्षाओं को अपनाने का संकल्प लिया और उनके बताए हुए सम्यक विचार, सम्यक वाणी और सम्यक कर्म के मार्ग पर चलने का निश्चय किया। आयोजन के दौरान पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और सभी उपस्थित जनों ने उल्लासपूर्वक बुद्ध पूर्णिमा मनाई। इस अवसर पर अशोक निभोरिया, विजय प्रकाश शर्मा, सत्यवीर सिंह चौहान, विजय चौहान, सतीश निभोरिया, रामनिवास सामरिया, देवानंद मोरोडिया, मनीष यादव, गजेन्द्र सिंह, सुरेश जलालपुरिया, धर्मेन्द्र यादव, जयकिश, पवन सिरोहीवाल, हिम्मत सिंह आर्य, विष्णु, योगेश, सरजीत, रविन्द्र टाइपिस्ट, सुनील, भरत सिंह, मुंशी सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बुद्ध वंदना कर एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं और समाज में सद्भाव, शांति और ज्ञान के प्रसार के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

विद्यालय परिसर में असामाजिक तत्वों ने मचाई तोड़फोड़, छात्रों को हुई परेशानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

थाना क्षेत्र के फौलादपुर गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार रात्रि को असामाजिक तत्वों ने जमकर तोड़फोड़ कर दी। विद्यालय परिसर में घुसकर पानी की सप्लाई टंकी, नल फिटिंग, वाटर कूलर, वाशवेशन सहित शौचालयों की टोंटियां तक तोड़ दी गईं, जिससे विद्यालय में पेयजल की व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा झिरीवाल ने थाने में मामला दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिसर में तोड़फोड़ की यह कोई पहली घटना नहीं है।

गुरु गोरखनाथ का प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया गया, निकाली गई भव्य रथ व झंडा यात्रा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

कस्बे में सोमवार को गुरु गोरखनाथ का प्रकट उत्सव पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। नाथ संप्रदाय के संस्थापक माने जाने वाले योगी गुरु गोरखनाथ की स्मृति में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर पीर संज्यानाथ आसण से एक भव्य रथ यात्रा और झंडा यात्रा निकाली गई, जिसे क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत, पीर विवेकनाथ महाराज और बगीचीनाथ महाराज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा में 371 महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। रथ और झंडा यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। पूरे रास्ते डीजे की भक्तिमय ध्वनि और गुरु जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। नगरवासियों ने यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस आयोजन का उद्देश्य गुरु गोरखनाथ की शिक्षाओं और उनके आदर्शों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना रहा। इस मौके पर समाज के लोगों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए गुरु के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मंच का संचालन घनश्याम योगी ने किया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष सुरज्ञानी योगी के सानिध्य में आए अतिथियों व संत-महात्माओं का स्वागत माला और साफा पहनाकर किया गया। नाथ समाज के लोगों ने विधायक से छात्रावास निर्माण के लिए भूमि आवंटन तथा श्मशान भूमि की मांग रखी। विधायक देवीसिंह शेखावत ने समाज को आश्वासन देते हुए इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने की बात कही। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि भवानीशंकर सैनी, मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी, रोशन लाल योगी, सतीश योगी, नरसिंह योगी, मुकेश योगी, संतोष योगी, महेंद्र योगी, लीलाराम योगी, देशराज योगी, महावीर योगी, कमलेश योगी, मनोहर लाल योगी, दिनेश योगी, अशोक योगी, गजानंद योगी, रामेश्वर फौजी, सुरेश, विक्रम, पप्पू योगी, रोशन योगी सहित बड़ी संख्या में नाथ समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापगढ़ में अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापगढ़ पर अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर थानागाजी ब्लॉक नर्सेज अध्यक्ष राम सिंह सैनी व सीएचसी प्रभारी डॉ. हनुमान सहाय गुर्जर ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय नर्सेज परिषद द्वारा 2025 की थीम "नर्सेज, आवर फ्यूचर - केयर फॉर नर्सेज, स्ट्रेंथ इकोनॉमिक्स" निर्धारित की गई है। इस थीम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि नर्सेज न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं, बल्कि उनका भविष्य संपूर्ण चिकित्सा व्यवस्था के भविष्य से जुड़ा हुआ है। नर्सिंग को एक स्वतंत्र और सम्मानजनक प्रोफेशन के रूप में सशक्त करने के लिए उन्हें बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और कार्यस्थल पर स्वतंत्र निर्णय लेने की शक्ति दी जानी चाहिए। ब्लॉक अध्यक्ष सैनी ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और सभी नर्सों को निष्ठा व सेवा-भाव से कार्य करना चाहिए। नव नियुक्त नर्सिंग ऑफिसर सियाराम शर्मा ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि चिकित्सा का कार्य वास्तव में मानव सेवा है और यह हमारे जीवन का अहम उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि "लेडी विद द लैम्प" फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जीवन गरीबों और असहायों की सेवा में समर्पित रहा, और आज की नर्सों को भी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में नर्सिंग ऑफिसर नरेश शर्मा, संजय गिठला, पूनम जाट, आरती गुर्जर, किरण बाला, सीमा सहित अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे। सभी ने नर्सिंग के क्षेत्र में आ रहे बदलावों और चुनौतियों पर भी चर्चा की और संकल्प लिया कि वे सेवा कार्य को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। इस अवसर पर सामूहिक रूप से यह भी निर्णय लिया गया कि नर्सिंग प्रोफेशन में कार्यरत कर्मचारियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के लिए संगठित प्रयास किए जाएंगे, ताकि वे बिना किसी दबाव के समाज सेवा में अपना योगदान दे सकें।

अलवर में शुरू हुआ प्रदेश का पहला आधुनिक साइलो भंडारण केंद्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में प्रदेश का पहला अत्याधुनिक साइलो गेहूं भंडारण केंद्र शुरू हो गया है, जिससे अब भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को बारिश, आंधी या अन्य प्राकृतिक आपदाओं में गेहूं की सुरक्षा को लेकर चिंतित नहीं होना पड़ेगा। करीब 250 करोड़ की लागत से 9 एकड़ क्षेत्र में बने इस साइलो में 75 हजार मीट्रिक टन गेहूं का भंडारण संभव है। इस केंद्र के शुरू होने से अब एफसीआई को खुले गोदामों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जहां पहले गेहूं को सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण था। एफसीआई के डिपो मैनेजर करनसिंह मीणा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट पायलट योजना के तहत अलवर के ट्रांसपोर्ट नगर में तैयार किया गया है। फिलहाल इस साइलो में अलवर की 10 अनाज मंडियों से आने वाले गेहूं का भंडारण किया जाएगा। आगे चलकर भरतपुर, धौलपुर, करौली सहित पंजाब और हरियाणा से आने वाले गेहूं को भी यहां संग्रहित किया जाएगा। साइलो में केवल साफ और गुणवत्ता युक्त गेहूं का ही भंडारण होगा। जांच के बाद अगर गेहूं तय मानकों पर खरा उतरता है तो उसे सीधे कंवद्र4द्रह्न बेल्ट के जरिये साइलो में भेजा जाएगा। अगर गेहूं गंदा है तो उसे प्रोसेस टावर में भेजा जाएगा, जहां एयर कंप्रेशर की मदद से उसमें से धूल, मिट्टी और कंकड़ हटाए जाएंगे। इसके बाद ही गेहूं साइलो में भेजा जाएगा। यह साइलो आधुनिक कम्प्यूटर प्रणाली से युक्त है, जहां तापमान को 28 डिग्री के आसपास नियंत्रित रखा जाता है और नमी की मात्रा 12 प्रतिशत से अधिक नहीं होने दी जाती। साइलो में छह बड़े स्टील टैंक बनाए गए हैं, जिनमें प्रत्येक में 12,500 मीट्रिक टन गेहूं सुरक्षित रखा जा सकता है। इसके अलावा तीन बल्क साइलो और चार बैगिंग साइलो भी बनाए गए हैं, जिनकी क्षमता 50-50 मीट्रिक टन है। करीब ढाई साल में तैयार हुए इस साइलो केंद्र को हैदराबाद की कंपनी ने निर्मित किया है। इसमें कुल 15 लाख बोरियों तक गेहूं का स्टॉक रखा जा सकता है और तीन वर्षों तक खराब होने की संभावना नहीं रहती। इस साइलो के साथ अलवर में एफसीआई के पक्के गोदाम में भी 16,700 मीट्रिक टन अतिरिक्त भंडारण की व्यवस्था है, जिससे कुल क्षमता 91,700 मीट्रिक टन हो गई है। सरकार अब इसी तर्ज पर श्रीगंगानगर, जोधपुर, उदयपुर, हनुमानगढ़ और बीकानेर में भी साइलो केंद्र स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है। यह कदम प्रदेश में अनाज भंडारण की पारंपरिक व्यवस्था को आधुनिक रूप देने की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन साबित होगा।

ज्ञानपुरा में कश्यप समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न, 19 जोड़े बंधे विवाह बंधन में

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

ग्राम ज्ञानपुरा की कीरों की ढाणी में सोमवार को कश्यप समाज उत्थान सेवा समिति अलवर के तत्वावधान में द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। पीपल पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित इस समारोह में 19 जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ एक-दूसरे का हाथ थामा और परिणय सूत्र में बंधे। इस सम्मेलन ने समाज में सहयोग, सादगी और सामूहिकता की परंपरा को मजबूती प्रदान की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने शिरकत की, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में तहसीलदार कैलाश चन्द मेहरा मौजूद रहे। विधायक शेखावत ने अपने संबोधन में इस आयोजन को समाज के लिए प्रेरणास्पद बताया और कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक एकता, सहयोग और समरसता का प्रतीक होते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब विवाह समारोहों में अनावश्यक खर्च बढ़ गया है, ऐसे सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। समिति अध्यक्ष जगदीश कश्यप ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में सहयोगात्मक सोच को बढ़ावा देना और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह के बोझ से राहत देना है। उन्होंने बताया कि समिति समाज में सरल, सादगीपूर्ण और सहयोग पर आधारित विवाह परंपरा को स्थायी स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर समाज के भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में आर्थिक एवं सामाजिक योगदान दिया। कार्यक्रम की व्यवस्था में समिति उपाध्यक्ष भावसिंह, महेश मेहरा, रामकुंवार, डीगराम धीवर, अमरसिंह, दौलतराम, सोहनलाल, कन्हैयालाल, राजेश, शंकर, धनेश, बाबूलाल, सीताराम, रामलाल, राजू, कैलाश सहित अनेक कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही। समारोह में समाज के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। समापन पर सभी जोड़ों को उपहार स्वरूप घरेलू उपयोग की सामग्री भी भेंट की गई। समारोह में गीत-संगीत और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूरे उल्लास और श्रद्धा से विवाह सम्पन्न कराए गए।

नरेगा योजना में पक्के कार्यों की स्वीकृति अब राज्य स्तर से अनिवार्य

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (नरेगा) में अब श्रम नियोजन के अतिरिक्त पक्के कार्यों की स्वीकृति जिला परिषद और पंचायत समितियां स्वयं नहीं कर सकेंगी। इसके लिए अब राज्य स्तर से पूर्वानुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की अति मुख्य सचिव श्रेया गुहा द्वारा जारी आदेश में यह जानकारी दी गई। इस आदेश के अनुसार भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की एम-पावर्ड कमेटी की 6 मार्च 2025 को हुई बैठक में नरेगा के तहत वर्ष 2025-26 के लिए 12.50 करोड़ मानव दिवस के श्रम बजट को अनुमोदन मिला है। इसके अनुरूप जिलेवार माहवार श्रम बजट का विभाजन कर उसे नरेगा सॉफ्ट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। अब नरेगा कार्यों में प्राथमिकता श्रम नियोजन को दी जाएगी, और विशेष रूप से अधूरे पड़े पुराने कार्यों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों, कृषि संबंधी कार्यों और मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना के तहत स्वीकृत गतिविधियों को पहले पूरा किया जाएगा। श्रम नियोजन के अतिरिक्त यदि किसी भी प्रकार के पक्के कार्य जैसे सीसी सड़क निर्माण, नाला निर्माण या अन्य निर्माण कार्य करना हो, तो उसके लिए राज्य सरकार से पूर्व स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि पंचायत समिति या जिला परिषद अब सीधे स्तर से इन पक्के कार्यों की मंजूरी नहीं दे सकेंगी। यह निर्णय राज्य सरकार द्वारा नरेगा योजनांतर्गत कार्यों में पारदर्शिता और प्राथमिकता निर्धारण को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस बदलाव से ग्राम पंचायत स्तर पर अब तत्कालीन स्वीकृति मिलने में समय लग सकता है, लेकिन इससे योजनाओं में अनुशासन और नियोजन की स्पष्टता बढ़ेगी। गौरतलब है कि पूर्व में स्थानीय स्तर पर ही नरेगा के तहत पक्के कार्यों को स्वीकृति दी जाती रही है, जिससे कई बार बजट के असंतुलन और प्राथमिकता के निर्धारण में समस्या आती थी। अब इस नई व्यवस्था से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पहले से स्वीकृत और अधूरे कार्य पूरे हों, और नई स्वीकृति केवल आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर ही दी जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के लिए यह योजना प्रमुख भूमिका निभा रही है, और इस निर्णय से योजना की पारदर्शिता के साथ-साथ श्रम प्रधानता को भी बल मिलेगा।

जिला कलक्टर ने किया दुग्ध संघ कार्यों का मूल्यांकन, पशुपालकों को शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड की कार्यप्रगति और योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में डेयरी क्षेत्र की मजबूती और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक महत्त्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। जिला कलक्टर ने डेयरी प्रबंधक को राज्य की सफल डेयरियों की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर उसी तर्ज पर इस वित्तीय वर्ष के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर राजस्व गांव में दुग्ध समिति का गठन कर पशुपालकों को पंजीकृत किया जाए ताकि योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। साथ ही अक्रियाशील बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) के कारणों की समीक्षा कर उन्हें पुन: क्रियाशील करने या आवश्यकता अनुसार स्थानांतरित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने डेयरी की खरीद, प्रसंस्करण और विपणन व्यवस्थाओं का विस्तृत फीडबैक लेते हुए कहा कि आय के स्रोतों में वृद्धि की संभावनाएं तलाशी जाएं। इसके लिए नवीन उत्पादों का निर्माण एवं दिल्ली-एनसीआर जैसे बड़े बाजारों में पहुंच बढ़ाने के प्रयास तेज किए जाएं। कलक्टर ने वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए प्रत्येक माह समीक्षा कर लाभांश में वृद्धि के प्रयासों पर भी बल दिया। बैठक के दौरान उन्होंने सहकारिता, पशुपालन, बैंकिंग, कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डेयरी से जुड़े प्रत्येक पात्र पशुपालक को गोपाल क्रेडिट कार्ड, केटल शेड निर्माण, केसीसी योजना, मंगला पशु बीमा योजना सहित अन्य सभी योजनाओं से सौ प्रतिशत लाभ दिलाया जाए। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं बीपीएल परिवारों को प्राथमिकता के साथ जोड़ा जाए। उन्होंने डेयरी प्रबंधक को यह भी निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित विभागों की योजनाओं का लाभ वास्तव में पशुपालकों तक पहुंच रहा है या नहीं। इसके लिए एक सर्वे कराया जाए और जिन पात्रों को लाभ नहीं मिला है, उन्हें तत्काल योजना से जोड़ा जाए। बैठक में सरस डेयरी की प्रबंधक सुनीता यादव, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पीसी मीणा, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रमेश चंद्र मीणा, लीड बैंक प्रबंधक बाबूलाल पालरिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एकमुश्त समाधान योजना में ब्याज और पेनल्टी में छूट, 30 सितम्बर तक जमा कराएं बकाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अनुजा निगम से ऋण लेने वाले डिफाल्टर ऋणियों के लिए राहत की खबर है। निगम की एकमुश्त समाधान योजना के तहत 30 सितम्बर 2025 तक बकाया मूलधन जमा कराने पर साधारण ब्याज एवं दण्डनीय ब्याज (पेनल्टी) में छूट का लाभ दिया जाएगा। परियोजना प्रबंधक लक्ष्मण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना विशेष रूप से उन ऋणियों के लिए फायदेमंद है जो 31 मार्च 2024 तक का बकाया मूलधन चुका नहीं पाए हैं। योजना के अंतर्गत यदि ऋणी 30 सितम्बर 2025 तक अपना संपूर्ण बकाया मूलधन जमा कर देते हैं, तो उनके ऊपर लगा साधारण ब्याज और पेनल्टी पूर्णतः माफ कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे ऋणी जो इस तय अवधि तक मूलधन नहीं जमा कर पाएंगे, वे भी 31 दिसम्बर 2025 तक मूलधन के साथ साधारण ब्याज की राशि जमा कर दण्डनीय ब्याज में छूट प्राप्त कर सकते हैं। यानी इस तिथि तक भुगतान करने पर भी उन्हें पेनल्टी से राहत मिलेगी, हालांकि साधारण ब्याज की राशि अदा करनी होगी। परियोजना प्रबंधक ने यह भी स्पष्ट किया कि यह योजना उन ऋणियों के लिए भी खुली है जो पूर्व में हुई किसी ऋण माफी योजना का लाभ नहीं उठा सके थे। इस तरह से योजना ऐसे सभी ऋणियों को एक अवसर प्रदान कर रही है जो अपने पुराने ऋण से छुटकारा पाना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों के चलते अब तक ऐसा नहीं कर पाए। अनुजा निगम द्वारा चलाई जा रही यह योजना राज्य सरकार की नीतियों के अनुरूप है और डिफाल्टर ऋणियों को वित्तीय राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य यह भी है कि ऋणी पुन: आर्थिक रूप से सक्रिय होकर निगम की अन्य योजनाओं का लाभ उठा सकें। परियोजना प्रबंधक ने सभी पात्र ऋणियों से अपील की है कि वे इस योजना का अधिकतम लाभ उठाएं और समय पर मूलधन जमा कर छूट प्राप्त करें। इससे न केवल उनका ऋण समाप्त होगा, बल्कि भविष्य में उन्हें अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी आसानी होगी।

जिला कलक्टर ने की भीषण गर्मी के बीच जीव मात्र के हितार्थ कदम उठाने की अपील

जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा जिला स्तरीय बीमा समिति (ष्ठरुष्ट) की बैठक भी ली। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि बेजुबान पशु-पक्षियों के हित में भामाशाहों के सहयोग से ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए ऐसे स्थानों का चिन्हिकरण किया जाए, जो कि गर्मी के मध्यनजर असुरक्षित हैं। ऐसे स्थानों पर पीने के पानी, पंखे-कूलर, ओआरएस के पैकेट्स की व्यवस्था की जाए। जिला कलक्टर ने कहा, "गर्मी का प्रकोप मानव जाति के साथ-साथ पशु और पक्षियों पर भी भारी है। इसलिए, उन्होंने कोई भी प्यास ना रहे इम दिशा में भामाशाहों, कार्मिक संगठन, धार्मिक ट्रस्ट, समाज सहयोगी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से अपील की वे पशु पक्षियों के लिए दाना, चारा और पानी की व्यवस्था एवं सार्वजनिक स्थानों पर छाया, पानी की व्यवस्था जैसे पुनीत कार्यों में अपनी सहभागिता दर्ज करें ताकि इस जानलेवा गर्मी के दौर में किसी भी जीव पर संकट न आए।" यह संयुक्त पहल एक सराहनीय कदम है, जो मानवता और प्रकृति के सह-अस्तित्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। इससे न केवल पक्षियों को राहत मिलेगी, बल्कि आम जनता में भी पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने विभागों को भेजे गए एमपी/एमएलए परिवादों की समीक्षा कर शेष परिवादों के जवाब भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित चल रहे परिवादों का समय पर निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने एवं एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर विभागवार पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए 30 दिवस से ऊपर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों को अपने विभाग के कर्मचारियों को आई-गोट कर्मयोगी पोर्टल से विभिन्न विषयों पर कोर्स करवाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए बिजली एवं पानी की व्यवस्था को सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखंड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को सभी जगह पेयजल पूर्ति हेतु संकटग्रस्त क्षेत्रों में टैंकर द्वारा की जा रही सप्लाई की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें। उन्होंने बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत निगम को पीएम सूर्य घर योजना का प्रचार प्रसार कर पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक के दौरान बीमा योजनाओं के लाभ आमजन को बताकर इन योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च शिक्षा कॉलेज में भी जागरूकता कार्यक्रम कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला बैंक अधिकारी को बैंक स्तर पर नियमित जागरूकता शिविर लगाए जाने की निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने विभागों में कार्यरत आशा सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहित विभिन्न संविदाकर्मी, ऑपरेटर को ग्रुप इंश्योरेंस के माध्यम से बीमा योजना से जोड़ने के निर्देश दिए ताकि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का फायदा लाभार्थी को मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न कंपनियों में कार्यरत मजदूर को जागरुक कर इन योजनाओं से जोड़ने हेतु निर्देशित किया ताकि सबको बीमा अभियान की सफल क्रियान्वित हो सके। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, कोऑपरेटिव वेद प्रकाश सैनी, उप निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग सुरभि कुमारी चौधरी, जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी, सीडीपीओ बीना गुप्ता, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट, बिजली विभाग, पीएचईडी, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक में है भारी आक्रोश सरकार नहीं दे रही है संघ की मांगो पर ध्यान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ (रेस्टा) अपनी मांगों का ज्ञापन शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, शिक्षा सचिव को कई बार देकर और व्यक्तिगत मिलकर अपनी बात कही लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है रेस्टा के प्रदेशाध्यक्ष हरलाल गढ़वाल ने बताया कि अंतरमंडल स्थानांतरण पर वरिष्ठता विलोपन नहीं करने, नव क्रमोन्नत सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में व्याख्याता के पद सृजित किया जाए और तीन सत्र की बकाया डीपीसी जल्दी से जल्दी की जाए जिससे वरिष्ठ अध्यापकों को पदोन्नति के अवसर मिले द्य रेस्टा के प्रदेश महामंत्री सुरेश बिश्नोई ने बताया है कि सरकार शिक्षा के सबसे बड़े कैडर बेस संगठन रेस्टा की मांगो पर ध्यान नहीं दे रही है जिससे वरिष्ठ अध्यापकों में भारी आक्रोश है यदि अभी भी सरकार हमारी मांगो पर ध्यान नहीं देती है तो वरिष्ठ अध्यापक सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जाएगा जिससे समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी द्य प्रदेश महासचिव मनोज धाभाई व मनोज कुमार कसाना जिला अध्यक्ष खैरथल तिजारा ने बताया कि सरकार को हमारी मांगो की और ध्यान आकर्षित कर जल्दी समाधान करना चाहिए और शिक्षा विभाग में तबादला करने के लिए पारदर्शी स्थानांतरण नीति और बिना अनुशंसा के तबादले होने चाहिए।

राजकीय महाविद्यालय बीबीरानी में बीएससी प्रायोगिक परीक्षाएं 15 मई से

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

राजकीय महाविद्यालय बीबीरानी में बीएससी द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष के विज्ञान संकाय के नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं 15 मई 2025 को प्रात 10 बजे से प्रारंभ हो रही हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को निर्देश दिया है कि वे अपनी प्रयोगिक रिकॉर्ड और फीस की रसीद साथ लेकर आएं। यदि कोई विद्यार्थी समय पर परीक्षा में उपस्थित नहीं होता है तो उसे अनुपस्थित घोषित कर दिया जायेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी विद्यार्थी की होगी। अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी महाविद्यालय में नोटिस बोर्ड और वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं।

बीबीरानी में सामाजिक सरोकार के तहत निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 14 मई को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

क्षेत्र के बीबीरानी माता मंदिर के प्रांगण में पार्क अस्पताल बहरोड द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 14 मई को किया जायेगा। पार्क अस्पताल बहरोड के गोविंद यादव एडमिन ने बताया की बीबीरानी माता के मंदिर प्रांगण में पार्क अस्पताल बहरोड द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 14 मई को किया जायेगा। शिविर के दौरान बीपी, सुगर व बच्चो की लम्बाई, वजन की जांच निशुल्क की जायेगी। साथ ही चिकित्सको द्वारा दवाईया एवं परामर्श भी निशुल्क दिया जायेगा।

भारतीय जनता पार्टी टपुकड़ा मंडल कार्यकारिणी की घोषणा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

भाजपा जिला अलवर उत्तर के जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी एवं तिजारा विधायक महंत बाबा बालकनाथ की सहमति से भाजपा टपूकड़ा मंडल की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने 16 पदाधिकारियों की सूची जारी की, जिसमें वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। घोषित कार्यकारिणी में सुरेंद्र यादव को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनके साथ रमेश जांगिड़, प्रहलाद सिंह शेखावत, सत्यवीर चौधरी, महावीर पंवार तथा हरिओम प्रजापत को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। महामंत्री पद की जिम्मेदारी नेहा गोयल और सोनू चौहान को दी गई है। मंत्री पद पर आकांक्षा गेरा, सूरजभान सिंह, तुलसीराम, आजाद सिंह, खजान सिंह, और अमीलाल की नियुक्ति की गई है, जबकि कोषाध्यक्ष के रूप में जीतू गर्ग और आईटी सेल प्रमुख के रूप में पंकज यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कार्यकारिणी टपूकड़ा मंडल के संगठनात्मक ढांचे को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मंदिर में दानपात्र चोरी होने के विरोध में लामबंद हुए ग्रामीण

पुलिस थाने पर किया प्रदर्शन, चोरी में लिप्त आरोपियो को गिरफ्तार करने की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

कोटकासिम क्षेत्र के गांव मेवली में अज्ञात चोरो द्वारा मंदिर से दानपात्र चोरी कर लिया गया। ग्रामीणो का कहना है की 9 मई को रात्री के समय अज्ञात चोरो द्वारा मंदिर का दानपात्र चोरी कर लिया गया तथा गांव के शमशान घाट में ले गये और दानपात्र को तौडकर दानपात्र में करीब 1 लाख रूपये की राशि चुरा ली गई। वही इस मामले में पुलिस की ढिलाई के चलते सोमवार को मेवली गांव के ग्रामीण लामबंद होकर कोटकासिम पुलिस थाना पहुंचे तथा विरोध प्रदर्शन कर पुलिस प्रशासन से मंदिर में हुई चोरी का खुलासा एवं लिप्त आरोपियो को गिरफ्तर करने की मांग की। ग्रामीणो कहना था की मेवली गांव के मंदिर में दानपात्र अज्ञात चोरो द्वारा चोरी कर लिया गया। जिसकी एफआईआर कोटकासिम पुलिस थाने में दर्ज करा दी गई थी। उसके बावजूद भी पुलिस द्वारा इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई। पुलिस की स्थिलता के विरोध में सोमवार को मेवली गांव के ग्रामीण लामबंद होकर पुलिस थाने पहुंचे तथा मंदिर के दानपात्र की चोरी का विरोध जताते हुए पुलिस प्रशासन से चोरी में लिप्त आरोपियो को गिरफ्तार करने एवं चोरी का खुलासा करने की मांग की गई। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के रामोतार, लीलाराम पंच, लक्ष्मण, जयसिंह, जसवंत, रविकुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीणो ने विरोध प्रदर्शन किया।

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर सफलता प्राप्त कर किया क्षेत्र का नाम रोशन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

कोटकासिम के एक होनहार ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव मतलवास निवासी आशीष यादव पुत्र आरपी सिंह का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित हुए। इसके अलावा आशीष यादव विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट एथलीट रहे हैं और एक बेहतरीन लॉन टेनिस खिलाड़ी भी रह चुके है। उनकी मां एक सरकारी शिक्षक हैं जिन्होने हमेशा उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाई है। आशीष यादव की इस कामयाबी से पूरे क्षेत्र में खुशि की लहर है।

झिरन्डिया के खेतों में युवक का अधजला शव मिला पुलिस ने घटना का खुलासा करते दो आरोपियों को किया गिरफ़्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढबास

सात दिन पहले गांव झिरन्डिया के खेतों में युवक का अधजला शव मिला पुलिस ने घटना का खुलासा करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों ने युवक को हरियाणा के झज्जर थाने के गांव बुपनिया में हत्या कर शव को कार में लाकर झिरइंडिया गांव के खेतों में फेंक गए वर्चस्व की लड़ाई को लेकर की थी युवक की हत्या , मृतक के दाहिने हाथ पर बने टैटू को मिटाने के लिए धारदार हथियार से टैटू वाली जगह काट दी गई मृतक व आरोपी दोनों एक ही गांव के हैं आरोपी व मृतक दोनों के विरुद्ध मारपीट व अवैध हथियारों के मुकदमे हरियाणा में दर्ज है। पुलिस अधीक्षक मनीष चौधरी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 4 मई को किशनगढ़ बास के गांव झिरन्डिया के खेतो में एक व्यक्ति की नग्न अवस्था में केमिकल से अध जली हुई एवं एक हाथ टेटू वाली जगह से काटी हुई लाश पड़ी हुई मिली पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच के लिए साइबर सेल व पुलिस थाना किशनगढ़ बास की टीम गठित कर टीम द्वारा आसपास के करीब 200 कैमरे चेक किए गए तथा तकनीकी सहायता से संदिग्ध कार व मोटरसाइकिल का पीछा करते हुए हरियाणा के झज्जर जिले के थाना बादली गांव बुपनिया में जली हुई लाश के फोटो दिखाएं व पुलिस थाना बादली में पूछताछ की तो मनोज नाम की गुमशुदी दर्ज मिली मनोज के परिजनों से संपर्क किया मृतक की पहचान मनोज पुत्र श्रीओम जाति जाट 23 वर्ष निवासी बुपनिया थाना बादली जिला झज्जर हरियाणा के रूप में की गई व आरोपियों के बारे में तलाश की जाकर आरोपी इंद्रपाल उर्फ भोला पुत्र तिलक चंद जाति सुनार निवासी बुपनिया थाना बादली व शक्ति कुमार पुत्र धनीराम जाति जाट 30 वर्ष बुपनिया थाना बादली जिला झज्जर हरियाणा को गिरफ्तार किया है आरोपियों से पूछताछ करने पर पता चला कि मृतक मनोज व आरोपी गण दोनों ही गांव बुपनिया थाना बादली जिला झज्जर हरियाणा के निवासी थे तथा वर्चस्व की लड़ाई को लेकर 3 मई को गांव बुपनिया में हत्या कर लाश को कार में डालकर एक मोटरसाइकिल से आगे चलकर पुलिस की रैकी करते गांव झिरइंडिया में सुनसान जगह पटक कर मृतक की पहचान छुपाने के लिए पेट्रोल व केमिकल डालकर लाश को जला दिया तथा मृतक के दाहिने हाथ पर बने टैटू को मिटाने के लिए धारदार हथियार से टेटू वाली जगह काट दी (हाथ अलग नहीं किया था)। आरोपियों के विरुद्ध हरियाणा में अवेध हथियार व मारपीट के मुकदमे भी दर्ज है पुलिस ने घटनास्थल के रास्ते में कैमरा से सीसीटीवी फुटेज निकाले फुटेज में एक बाइक व कार घटना स्थल पर जाती हुई दिखाई दी कार व बाइक के आधार पर सैकड़ो कैमरा के फुटेज से आरोपियों के गांव तक पहुंचे। किशनगढ़ बास खैरथल रोड आरोपियों की रिश्तेदारी है पहले रिश्तेदारों के यहां आते थे घटना वाले दिन रिश्तेदारों के यहां नहीं रुके दोनो आरोपी बादली में चाऊमीन की ठैली लगाते थे।

जिला को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कमेटी कि बैठक का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय "डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव डवलपमेंट कमेटी (DCDC)" की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय सहकारी नीति के क्रियान्वयन, प्राथमिक सहकारी समितियों के सशक्तिकरण एवं अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की। जिला कलेक्टर ने बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक, डेयरी संघ को दुग्ध समितियों के डेटा अद्यतन करने के निर्देश दिए। उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां वेद प्रकाश ने अवगत कराया कि डाटाबेस का समय-समय पर अपडेट किया जा रहा है। जिला कलेक्टर ने डेयरी गतिविधियों से वंचित 45 राजस्व ग्रामों में डेयरी समितियों के गठन हेतु कार्यवाही के निर्देश दिए गए। उप रजिस्ट्रार ने बताया कि वर्तमान में खैरथल जिले की तीन ग्राम पंचायतों (फकरूद्दीनका, मानका, नूरनगर) में पैक्स का पंजीकरण शेष है। उन्होंने बताया कि जिले की लगभग सभी पंचायतों को पैक्स से जोड़ा जा चुका है, शेष पंचायतों में शीघ्र कार्यवाही की जाएगी। खैरथल-तिजारा में अलग से डेयरी संघ कार्यरत नहीं है इस पर जिला कलेक्टर ने एमडी /डेयरी को वस्तुस्थिति व व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने उप रजिस्ट्रार सहकारिता एवं एमडी डेयरी को निर्देशित किया गया कि आवश्यकतानुसार नई समितियों का पंजीकरण भी सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने पैक्स को गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, जन औषधि केन्द्र, कृषि अवसंरचना योजनाओं आदि में प्राथमिकता देने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया। उन्होंने पैक्स कंप्यूटरीकरण में खैरथल-तिजारा जिले की प्रगति कि सराहना करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारी को नवगठित पैक्स के लिए भूमि आवंटन एवं अटल सेवा केन्द्रों में स्थान उपलब्ध करवाने, फर्नीचर आदि सुविधाएं मुहैया कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी हितधारकों से समन्वय स्थापित कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर ने उप रजिस्ट्रार द्वारा 27 प्रस्तावित कार्यों सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्रासरूट कार्यक्रम, विद्यार्थियों/महिलाओं की भागीदारी आदि के लिए विभिन्न विभागों की अनुपालना हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट, उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियों, खैरथल वेद प्रकाश, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, संयुक्त निदेशक कृषि विभाग, उप निदेशक पशुपालन एवं डेयरी, प्रबंध निदेशक सीसीबी अलवर , जिला रसद अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद संता देवी ने संभाला कोटकासिम प्रधान पद का कार्यभार

कार्यक्रम में पूर्वमंत्री, पूर्व विधायक सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि हुए शामिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

सोमवार को उपप्रधान एवं वार्ड नम्बर 4 की पार्षद संता देवी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कोटकासिम पंचायत समिति प्रधान का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व मंत्री हेमसिंह बढाना एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव, भाजपा के जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। गौरतलब है की गत दिनो कोटकासिम की पूर्व प्रधान डॉ0 विनोद कुमारी सांगवान एवं आरएएस अधिकारी के बीच जिला कलेक्ट्रेट के अंदर ही विवाद हो गया। जिसके चलते सरकार द्वारा जांच के बाद विनोद कुमारी सांगवान को कोटकासिम पंचायत समिति प्रधान पद से निलंबित कर दिया गया था। साथ ही प्रधान पद के लिए वार्ड नम्बर 4 की पंचायत समिति सदस्य एवं उपप्रधान संता देवी को को पंचायत समिति प्रधान का कार्यभार संभालने के दिशा-निर्देश दिये गये थे। जिसके तहत सोमवार को संता देवी ने कोटकासिम भाजपा कार्यालय पहुंचकर भाजपा पार्टी के पदाधिकारियो के बीच भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही पंचायत समिति कार्यालय पहुंचकर विधि-विधान के साथ फीता काटकर प्रधान पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया गया। इस अवसर पर मौजूद जनप्रतिनिधियो द्वारा संता देवी का जोरदार स्वागत किया गया तथा शुभकामनाए दी गई। प्रधान संता देवी ने कार्यभार संभालने के बाद सभी स्वागतकर्ताओ का आभार व्यक्त करते हुए कहा की विकास कार्यो में कोई भेदभाव नही किया जायेगा। क्षेत्र में सामान्यता से विकास कार्य कराये जायेगे। उन्होने कहा की सरकार द्वारा जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे बाखूबी निभाने का कार्य किया जायेगा तथा ग्रामीणो को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ का अधिक से अधिक लाभ दिलाने का कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सोलू शर्मा, पूर्व सरपंच पंडित वेदप्रकाश, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रामनिवास यादव, महेन्द्र सिंह, वीरिसिंह, राजेश, विक्रम, रामसिंह सहित समस्त पंचायत समिति स्टाफ एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

ब्लॉक स्तरीय निष्पादन समिति की बैठक आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीमला में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय निष्पादन समिति की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लीलावती मीणा ने की। कार्यक्रम में शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आगामी समाज सेवा शिविर के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के लिए लक्ष्य दिए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक पेड़ लगाए जा सकें और पर्यावरण संरक्षण को बल मिल सके। बैठक की शुरुआत नव नियुक्त प्रधानाचार्यों के स्वागत के साथ हुई, जिन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया गया। बैठक में प्रधानाचार्य विवेक शर्मा ने समाज सेवा शिविर की रूपरेखा और उद्देश्य प्रस्तुत किए। इस दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें हाउस होल्ड सर्वे की प्रगति, प्रवेश उत्सव कार्यक्रम की तैयारियाँ, विद्यालयों के परीक्षा परिणामों का विश्लेषण, स्मार्ट क्लासरूम और आईसीटी लैब की स्थिति, पुस्तकालय संचालन की प्रक्रिया, ब्लॉक रैंकिंग प्रणाली, निशुल्क पाठ्यपुस्तकों का रिकॉर्ड संधारण, विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था, ईएलसी क्लब गठन की प्रक्रिया तथा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में नवीन प्रवेश जैसे विषय प्रमुख रहे। बैठक में शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त उपनिदेशक सीताराम शर्मा और अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमल कुमार मीणा की भी उपस्थिति रही। साथ ही स्थानीय विद्यालय की प्रधानाचार्य मंजू बैरवा, प्रधानाचार्य फोरम के सचिव नंदकिशोर मीणा, मनोज शर्मा, कमलेश कुमार गुप्ता सहित अनेक विद्यालयों के प्रधानाचार्य शामिल हुए। बैठक का संचालन व्याख्याता दीनदयाल शर्मा ने किया। बैठक में लिए गए निर्णयों से स्पष्ट हुआ कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के साथ-साथ विद्यार्थियों में सामाजिक सरोकारों को भी विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चिंतन

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक विराट युग का अंत

पश्चिम दिल्ली के लड़के का 'स्वैग' लेकर भारतीय ड्रेसिंग रूम में दाखिल हुए विराट कोहली क्रिकेट को लेकर अपने असीम जुनून के चलते मौजूदा दौर के महानायक बनकर उभरे और ऐसे समय में पारंपरिक क्रिकेट से विदा ली, जब उनके और खेलते रहने की उम्मीद की जा रही थी। किंग कोहली के संन्यास को भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक विराट युग का अंत है। उन्होंने पिछले साल ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। वह अब सिर्फ एक दिवसीय क्रिकेट में खेलेंगे। अपने सीनियर खिलाड़ियों के लिए 'चीकू' से जूनियर खिलाड़ियों के 'भैया' तक 'किंग कोहली' ने लंबा सफर तय किया है और अपने करियर में काफी उतार-चढ़ाव भी देखे। 2006 में 18 बरस के कोहली ने अपने पिता प्रेम कोहली के निधन की खबर सुनकर भी 90 रन बनाकर दिल्ली को फॉलोआन से बचाया और फिरोज शाह कोटला स्टेडियम से सीधे श्मशान घाट जाकर उनका अंतिम संस्कार किया। इसके बाद 2025 में 36 साल के सुपरस्टार विराट कोहली को रेलवे के मध्यम तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने करीब 20000 दर्शकों के सामने रणजी ट्रॉफी मैच में आउट किया। वह आखिरी बार था जब कोहली सफेद जर्सी में चमचमाती एसजी गेंद को खेलते दिखे। बीच के 18 साल में उन्होंने 30 टेस्ट शतक लगाए। कोहली ने पिछली और मौजूदा पीढ़ी को टेस्ट क्रिकेट से प्यार करना सिखाया। इंडियन प्रीमियर लीग की जगमगाहट के बीच लोग कोहली को टेस्ट बल्लेबाजी करते देखना चाहते रहे हैं। कोहली को 10000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए 770 रन और चाहिए थे। 36 वर्ष के कोहली ने 123 मैचों में 46.85 की औसत से 30 शतक समेत 9230 रन बनाने के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उनके समकालीन इंग्लैंड के जो रूट टेस्ट में 13000 रन पूरे करने से कुछ रन पीछे हैं, जबकि आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 10000 रन पूरे कर चुके हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन इससे 724 रन दूर हैं। कोहली ने 2014 से 2019 के दौरान टेस्ट क्रिकेट में आक्रामकता की नई परिभाषा लिखी। उनके कवर ड्राइव और फ्रंट फुट पर खेले गए शॉट क्रिकेटप्रेमियों को बरसों याद रहेंगे। सचिन तेंदुलकर को उनकी परिपक्वता के लिए जाना जाता है, तो विराट का व्यक्तित्व गैर अनुरूपतावादी है। कोहली ऐसे दौर में बड़े हुए जब तेंदुलकर का जादू सिर चढ़कर बोलता था और फिर पहचान बनाई। टी-20 के इस दौर में कोहली पांच दिनी क्रिकेट के आखिरी सुपरस्टार कहे जा सकते हैं। अब शायद ऐसा जुनून फिर देखने को न मिले। विराट कोहली ने अतुलनीय विरासत छोड़कर विदा ली है, उन्होंने अनुशासन, फिटनेस, प्रतिबद्धता के मामले में असाधारण उदाहरण प्रस्तुत किया है। नई पीढ़ी के टेस्ट क्रिकेटरों के लिए वे हमेशा आदर्श बने रहेंगे। टेस्ट क्रिकेट में कोहली के अविस्मरणीय योगदान पर देश को गर्व है। विराट कोहली ने अपने करियर के शिखर पर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहकर मिसाल कायम की है। इससे पहले भारत के हिटमैन रोहित शर्मा भी इसी तरह अपने करियर के स्वर्णिम शिखर पर रहते हुए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। टेस्ट क्रिकेट के मैदान पर शायद ही ऐसी कोई चुनौती रही हो, जिसने विराट कोहली को विचलित किया हो। उन्होंने चुनौतियों से लड़ना नहीं छोड़ा और 2014 से 2019 के बीच ऐसी ऊंचाईयों को छुआ, जहां आधुनिक दौर के कई क्रिकेटर नहीं पहुंच पाए हैं। उनका प्रदर्शन युवा बल्लेबाजों के लिए 'ब्लूप्रिंट' है जिन्हें कोहली और रोहित शर्मा के बाद भारतीय क्रिकेट की कमान संभालने का काम सौंपा गया है।

विराट कोहली

विनोद पाठक

अलग ही मिट्टी के बने हैं किंग

दिवंगत अभिनेता देवानंद की फिल्म 'हम दोनों' का प्रसिद्ध गीत है 'अभी न जाओ छोड़कर के दिल अभी भरा नहीं'। क्रिकेटर विराट कोहली के लिए आज दुनियाभर में करोड़ों फैन्स के मन में यही गीत बज रहा है। विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर दो दिन से चल रही ऊहापोह उस समय समाप्त हो गई, जब विराट कोहली के संन्यास की आधिकारिक घोषणा हो गई। पिछले वर्ष टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद विराट कोहली ने टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अब विराट कोहली वन-डे क्रिकेट में खेलते नजर आएंगे। हालांकि, लग तो यही रहा है कि जल्द ही वह वन-डे क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। जैसा नाम है, वैसा ही विराट व्यक्तित्व कोहली का है, जिन्हें साथी खिलाड़ी प्यार से चीकू भी पुकारते हैं। वर्ष 2008 में अंडर-19 टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीताने से लेकर अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने तक विराट कोहली के व्यक्तित्व में 360 डिग्री का परिवर्तन देखने को मिला है। जब विराट कोहली अंडर-19 में

खेलते थे तो एक चबी ब्वॉय हुआ करते थे। तब विराट कोहली की फिटनेस वैसी नहीं थी, जैसी आज है। इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखते ही विराट कोहली ने न केवल स्वयं को बदला, बल्कि आज वह लाखों-लाख युवाओं के लिए फिटनेस को लेकर प्रेरणास्त्रोत भी बन गए हैं। 36 वर्षीय विराट कोहली की फिटनेस आज भी टीम इंडिया में खेल रहे कई युवा क्रिकेटरों के कहीं बेहतर है। मास्टर ब्लॉस्टर सचिन तेंदुलकर के क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद यदि भारतीय फैन्स को किसी एक क्रिकेटर पर यह विश्वास रहा है कि अगर वह मैदान पर खड़ा है तो टीम इंडिया जीत सकती है तो वह विराट कोहली ही हैं। विराट कोहली को चेस मास्टर यानी रनों का पीछा करने वाला खिलाड़ी भी कहा जाता है। उन्होंने टीम इंडिया को कई मुश्किल मैचों में जीत दिलाई है। कई क्रिकेटर तो यह कहते हैं कि विराट कोहली जब मैदान पर होते हैं तो उनके दिमाग में बॉल दर बॉल एक अलग ही कैलकुलेशन चलती है, जो कोई दूसरा क्रिकेटर नहीं कर पता है। विराट कोहली न केवल खुद खेलते हैं, बल्कि साथी खिलाड़ी को भी वह उसी अंदाज में खिलाते हैं कि टीम अपनी जीत सुनिश्चित कर लेती है।

विराट कोहली केवल एक क्रिकेटर नहीं हैं, वह एक बड़े यूथ आइकॉन भी हैं। वह भारत के बहुत बड़े ब्रांड एंबेसडर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर भारतीय सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई तक उनके बहुत बड़े प्रशंसक हैं। जब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर ले. जनरल घई भारतीय सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, तब उन्होंने विराट कोहली के रिटायरमेंट की बात कही। इससे पता चलता है कि विराट कोहली की फैन फॉलोइंग कहां तक है? अपने करियर की शुरुआत में एक इंटरव्यू में विराट कोहली ने कहा था कि वो नास्तिक हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विराट कोहली का झुकाव अध्यात्म की तरफ झुका है। इसमें उनकी धर्मपत्नी अनुष्का शर्मा का बहुत बड़ा योगदान है। विराट कोहली नीम करोली बाबा के कैंची धाम और वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के सानिध्य में जा चुके हैं। उज्जैन में महाकाल दर्शन का विराट कोहली का एक वीडिया भी वायरल हुआ था। यदि हम विराट कोहली के टीवी इंटरव्यूज को देखें तो पता चलता है कि वह कितने सुलझे हुए व्यक्ति हैं। क्रिकेट के प्रति उनका समर्पण किसी से छिपा हुआ नहीं है।

यह किस्सा तो सभी को पता है कि अपने पिता के अंतिम संस्कार के बाद वह खेलने के लिए मैदान पर उतर गए थे, क्योंकि टीम को उनकी जरूरत थी। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनकी 210 इनिंग्स में उन्होंने 9230 रन बनाए हैं, जिनमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। उनका अधिकतम स्कोर 254 रन नाबाद है। टेस्ट क्रिकेट में कोहली ने 121 कैच लिए हैं। वैसे तो किंग कोहली बैट्समैन हैं, लेकिन टेस्ट की 11 इनिंग्स में उन्होंने 175 गेंदें भी फेंकी हैं, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला है। यह सत्य है कि विराट कोहली कभी अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड के लिए नहीं खेले। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सदैव टीम स्पिरिट को ऊपर रखा है। यदि व्यक्तिगत रिकॉर्ड के लिए विराट कोहली को खेलना होता तो अभी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का समय नहीं था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनसे अनुरोध भी किया कि वह अपने संन्यास पर पुनर्विचार कर लें। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एक समय कहा था कि आपको उस समय अपने खेल से संन्यास लेना चाहिए, जब लोग पूछें 'क्यों'? और विराट कोहली ने ऐसा ही किया है। आज लोग पूछ रहे हैं कि आखिर ऐसी जल्दबाजी थी, जो विराट कोहली ने संन्यास लिया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

युद्ध के दौर में एमएसएमई की अहमियत

पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से उबारने के लिए जहाँ एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा,वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा।

यकीनन इस समय पाकिस्तान से युद्ध के माहौल के बीच भारत की अर्थव्यवस्था के संसाधनों और उत्पादन प्रणाली पर दबाव के मद्देनजर देशभर में सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। वस्तुतः आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने पर स्थानीय स्तर पर मौजूद एमएसएमई खाद्य उत्पाद, छोटे रक्षा उत्पाद और दवाई जैसी अन्य जरूरी वस्तुओं का तेजी से कम लागत पर उत्पादन करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उल्लेखनीय है कि 7 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के जिन विभिन्न मंत्रालयों को युद्ध जैसे हालातों के बीच अपनी पूरी क्षमता के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया है उनमें उद्योग मंत्रालय और एमएसएमई भी शामिल है।

गौरतलब है कि एक ओर पाकिस्तान से चरम पर पहुँचे युद्ध तनाव और दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए, जहाँ एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा,वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है की सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड रुपये किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है।

निस्संदेह एमएसएमई क्षेत्र देश के विनिर्माण, निर्यात और रोजगार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एमएसएमई मंत्रालय की नई रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 5.93 करोड़ पंजीकृत एमएसएमई हैं। इनमें 25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-

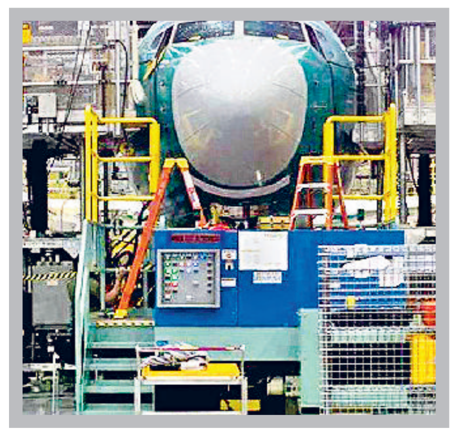

25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई के लिए निर्मित होने वाली विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की है। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहले शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है। उद्योगों का विस्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए, एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं। लेकिन पाकिस्तान से युद्ध के माहौल और ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हर संभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, जो कि चीन पर 245 फीसदी, बांग्लादेश पर 37 फीसदी तथा श्रीलंका पर 44 फीसदी टैरिफ से कम है। ऐसे में भारत के कई चुनिंदा एमएसएमई उत्पादों को तुलनात्मक लाभ मिल सकता है। फिर भी 26 फीसदी टैरिफ की व्यापक चुनौती का मुकाबला करने की डगर पर आगे बढ़ने के लिए कई और बातों पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। नए सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी।

इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किया जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जा सकती है। सरकार के द्वारा एमएसएमई को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के परिपालन में आ रही कठिनाइयों पर ध्यान देते हुए जीएसटी व्यवस्था को सरल करना होगा। एमएसएमई के हित में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किए जाने से विशेष रूप से निर्यात-उन्मुख एमएसएमई लाभांवित होंगे। नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। ऐसे विभिन्न उपायों से भारत टैरिफ की चुनौतियों को एमएसएमई के लिए उभरते हुए नए अवसरों के दौर में बदल सकता है।

निश्चित रूप से देश के एमएसएमई क्षेत्र के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के द्वारा हाल ही में प्रस्तुत यह उम्मीद लाभप्रद है कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय कारोबार समझौता (बीटीए) के लिए की जा रही व्यापार वार्ता सफल रूप से निष्कर्ष पर पहुंचने के बहुत करीब है। ऐसे में भारत पहला देश हो सकता है जो अमेरिका के साथ समझौता करेगा।

(लेखक वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

हम जो भी करेंगे वह कर्म

संकलित

दर्शन

'इगोसेंट्रिक' कर्म को वे कर्म कहते हैं। ऐसे कर्म को, जिसमें कर्ता मौजूद है। जिसमें कर्ता यह विचार करके ही कर रहा है कि करने वाला मैं हूं। जब तक मैं करने वाला हूं, तब तक हम जो भी करेंगे, वह कर्म है। अगर मैं संन्यास ले रहा हूं, तो संन्यास एक कर्म हो गया। अगर मैं त्याग कर रहा हूं, तो त्याग एक कर्म हो गया। अकर्म का मतलब ठीक उलटा है। अकर्म का मतलब है ऐसा कर्म, जिसमें कर्ता नहीं है। जिसमें मैं कर रहा हूं, ऐसा कोई बिंदु नहीं है। ऐसा कोई केंद्र नहीं है, जहां से यह भाव उठता है कि मैं कर रहा हूं। अगर मैं कर रहा हूं, यह खो जाए, तो सभी कर्म अकर्म है। कर्ता खो जाए तो सभी कर्म अकर्म है। इसलिए कृष्ण का कोई कर्म, कर्म नहीं है, सभी अकर्म हैं। कर्म और अकर्म के बीच में विकर्म की जगह है। विकर्म का अर्थ है, विशेष कर्म। विशेष कर्म किसे कहते हैं कृष्ण? जहां न कर्ता है, और न कर्म। फिर भी चीजें तो होंगी। फिर भी चीजें तो होंगी ही। आदमी श्वास तो लेगा ही। न कर्म है, न कर्ता है। श्वास तो लेगा ही। श्वास कर्म तो है ही। खून तो गति करेगा ही शरीर में। भोजन तो पचेगा ही। ये कहां पड़ेंगे? ये विकर्म हैं। ये मध्य में हैं। यहां न कर्ता है, न कर्म है। साधारण मनुष्य कर्म में है, संन्यासी अकर्म में है, परमात्मा विकर्म में है। वहां न कोई कर्ता है, न कोई कर्म है। वहां चीजें ऐसी ही हो रही हैं, जैसे श्वास चलती है। वहां चीजें बस हो रही हैं। यह कर्म योग का तत्व है । जो विकर्म को समझ लेगा, वह अकर्म में उतर जाएगा। कर्म हमारी स्थिति है, जैसे हम जी रहे हैं। विकर्म हमारी समझ होगी, अकर्म हमारा होना हो जाएगा।

सिद्धियों का उचित प्रयोग ही करें

संकलित

प्रेरणा

चार विद्वान ब्राह्मण मित्र थे। एक दिन चारों ने संपूर्ण देश का भ्रमण कर हर प्रकार का ज्ञान अर्जित करने का निश्चय किया। चारों ब्राह्मणों ने चार दिशाएं पकड़ीं और अलग-अलग स्थानों पर रहकर अनेक प्रकार की विद्याएं सीखीं। पांच वर्ष बाद चारों अपने गृहनगर लौटे और एक जंगल में मिलने की बात तय की। चूंकि चारों परस्पर एक-दूसरे को अपनी गूढ़ विद्याओं व सिद्धियों को बताना चाहते थे, अतः इसके लिए जंगल से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता था। जब चारों जंगल में एक स्थान पर एकत्रित हुए तो वहां उन्हें शेर के शरीर की एक हड्डी पड़ी हुई मिली। एक ब्राह्मण ने कहाः मैं अपनी विद्या से इस एक हड्डी से शेर का पूरा अस्थि पंजर बना सकता हूँ। उसने ऐसा कर भी दिखाया। तब दूसरे ब्राह्मण ने कहाः मैं इसे त्वचा, मांस और रक्त प्रदान कर सकता हूँ। फिर उसने यह कर दिया। अब उन लोगों के समक्ष एक शेर पड़ा था, जो प्राणविहीन था। अब तीसरा ब्राह्मण बोलाः मैं इसमें अपनी सिद्धि के चमत्कार से प्राण डाल सकता हूँ। चौथे ब्राह्मण ने उसे यह कहते हुए रोकाः यह मूर्खता होगी। हमें तुम पर विश्वास है, किंतु यह करके न दिखाओ। किंतु तीसरे ब्राह्मण का तर्क था कि ऐसी सिद्धि का क्या लाभ जिसे क्रियान्वित न किया जाए। उसका हठ देखकर चौथा ब्राह्मण तत्काल पास के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। तीसरे ब्राह्मण के मंत्र पढ़ते ही शेर जीवित हो गया। प्राणों के संचार से शेर को आहार की आवश्यकता महसूस हुई और उसने सामने मौजूद तीनों ब्राह्मणों को मारकर खा लिया। चौथे ब्राह्मण ने समझदारी से अपने प्राण बचा लिए।

अंतर्मन

आज की पाती

बोधिवृक्ष की छाया में जन्मा मानवता का प्रकाश

वैशाख मास की पूर्णिमा को प्रतिवर्ष बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत पवित्र और विशेष होता है क्योंकि यही वह तिथि है जब भगवान बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण तीनों घटनाएं घटी थी। ऐसा माना जाता है कि 563 ईसा पूर्व वैशाख पूर्णिमा के दिन नेपाल के लुंबिनी वन में शाल वृक्षों के बीच महारानी माया देवी ने सिद्धार्थ को जन्म दिया था, जो बाद में महात्मा बुद्ध कहलाए। उनके जन्म का स्थान आज नेपाल में स्थित है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ था। वे शाक्य वंश के क्षत्रिय थे और उनके पिता कपिलवस्तु के राजा शुद्धोधन थे। मानवता के कल्याण के लिए उन्होंने महती योगदान दिया।

- विजय काम्बली, रायगढ़

ट्रेंड

बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं

सभी देशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की ढेरों शुभकामनाएं। सत्य, समानता और सद्भाव के सिद्धांत पर आधारित भगवान बुद्ध के संदेश मानवता के पथ-प्रदर्शक रहे हैं। त्याग और तप को समर्पित उनका जीवन विश्व समुदाय को सदैव करुणा और शांति के लिए प्रेरित करता रहेगा।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

संताली भाषाविद को श्रद्धांजलि

प्रसिद्ध भाषाविद् और 'ओलचिकी' लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू को उनकी जयंती पर मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। मुर्मू एक लेखक थे जिन्होंने संताली भाषा के लिए 'ओलचिकी' लिपि विकसित की थी।

ममता बनर्जी, सीएम, प बंगाल

बुद्ध का अनुसरण करें

बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान बुद्ध का जीवन आत्म-बोध तथा नि:स्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। आइए, हम सभी बुद्ध के ध्यान, करुणा और सह-अस्तित्व के पथ का अनुसरण कर समरस व शांतिपूर्ण समाज के निर्माण का संकल्प लें।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, यूपी

तुर्किये में पुतिन का इंतजार

रूस के साथ पूर्ण और अस्थायी युद्धविराम की उम्मीद है। मैं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ 'व्यक्तिगत तौर पर' बातचीत करने के लिए तुर्किये जाऊँगा। मैं तुर्किये में पुतिन का इंतजार करूंगा।

-वोलोदिमीर जेलेंस्की, राष्ट्रपति, यूक्रेन

करंट अफेयर

चोरी हुई बौद्ध प्रतिमा दक्षिण कोरिया ने जापान को लौटाई

जापान के एक मंदिर से करीब 13 साल पहले चुराई गई 14वीं सदी की कोरियाई बौद्ध प्रतिमा सोमवार को वापस कर दी गई। प्रतिमा के स्वामित्व को लेकर जापान और दक्षिण कोरिया के बीच वर्षों से कानूनी लड़ाई चल रही थी, जिससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच संवेदनशील संबंध और तनावपूर्ण हो गए थे। जब प्रतिमा को लेकर एक ट्रक जापान के पश्चिमी द्वीप तुशिमा के कन्नोनजी मंदिर में पहुंचा तो सड़क किनारे खड़े मंदिर के कई सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने स्वागत करते हुए तालियां बजाईं। संभावना है कि मंदिर में एक अनुष्ठान के बाद मूर्ति को स्थानीय संग्रहालय में रखा जाएगा।

बोधिसत्व की कांस्य की प्रतिमा को बैठी हुई मुद्रा में दर्शाया गया है और इसकी ऊंचाई लगभग 50 सेंटीमीटर है। इसे क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया गया है और यह 2012 में कन्नोनजी से चुराई गई दो प्रतिमाओं में से एक थी। दक्षिण कोरियाई सरकार ने उस वक्त एक प्रतिमा को जापानी मंदिर को लौटा दिया था, जब अधिकारियों ने चोरों से यह प्रतिमा बरामद की थी। मामले में चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया था और उनके खिलाफ मुकदमे चलाए गये थे। लेकिन, बोधिसत्व की प्रतिमा को लेकर कानूनी विवाद उस वक्त शुरू हो गया।

ऑफ बीट

मददगार कीटों को कायम रखने उठाने होंगे कदम

कीट-पतंग हमारे चारों ओर हैं- फुटपाथ पर चींटी, भिनभिनाती हुई मधुमक्खी, हवा में उड़ती हुई तितली-और वे हमारे अनुभव की दुनिया को आकार देते हैं।

वे फूलों के परागण, कचरे को विघटित करने, कीटों को नियंत्रित करने और खाद्य श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मनुष्य कीटों पर कितना भी निर्भर क्यों न हो, हमारे कार्यों से दुनिया के कई हिस्सों में उनकी आबादी कम हो रही है। हाल में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि पिछले दो दशकों में अमेरिका ने अपनी 20 प्रतिशत से ज्यादा तितलियां खो दी हैं। अफसोस की बात है कि गिरावट की यह दर असामान्य नहीं है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि कीटों की आबादी हर साल दो प्रतिशत की दर से घट रही है। ऐसा क्यों हो रहा है, यह समझने के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध समूह 'स्टेटस ऑफ इन्सेक्ट्स' ने कीटों की कमी के कारणों पर 175 हालिया अध्ययनों की समीक्षा की। हमें सैकड़ों संभावित कारण मिले जो सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिनमें से लगभग सभी सीधे या परोक्ष रूप से मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न होते हैं। कीटों की कमी के कारण आपस में जुड़े हुए हैं, कीट-पतंगों की संख्या में कमी के कुछ मुख्य कारण हैं: गहन कृषि, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, आक्रामक प्रजातियां और प्राकृतिक वास का नुकसान।

वार्षिक सत्यापन नहीं कराने पर पेंशन अटक सकती हैः बचनेश अग्रवाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभार्थियों के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन की अंतिम तिथि 31 मई तय की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक और संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने जानकारी दी कि पेंशन की नियमितता सुनिश्चित करने हेतु यह सत्यापन अनिवार्य है। यदि लाभार्थी निर्धारित समय-सीमा तक वार्षिक सत्यापन नहीं कराते हैं, तो जून 2025 (देय माह जुलाई 2025) से उनकी पेंशन रोकी जा सकती है। अग्रवाल ने बताया कि इस प्रक्रिया की शुरुआत 1 नवम्बर 2024 से की जा चुकी है और अब तक 88.93 प्रतिशत पेंशनर्स का सत्यापन पूरा हो चुका है। शेष पेंशनर्स का सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों की मदद से घर-घर अभियान चलाकर सत्यापन कार्य को समय पर पूर्ण करें। वार्षिक भौतिक सत्यापन के लिए पेंशनर्स ई-मित्र कियोस्क या ई-मित्र प्लस केन्द्रों पर जाकर अपनी अंगुली की छाप (बायोमेट्रिक्स) से सत्यापन करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त एक विशेष एंड्राइड मोबाइल एप Rajasthan Social Pension and Aadhar Face RD' के माध्यम से फेस रिकग्निशन के जरिये भी सत्यापन किया जा सकता है। यदि इन दोनों माध्यमों से सत्यापन संभव नहीं हो पाता है, तो पेंशनर को संबंधित स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के समक्ष स्वयं उपस्थित होना होगा। अधिकारी पोर्टल पर लॉग इन करके पेंशनर के पीपीओ नंबर और रजिस्टर्ड मोबाइल पर आए ओटीपी के जरिए सत्यापन कर सकते हैं। किसी कारणवश ओटीपी के माध्यम से भी सत्यापन नहीं हो पाए, तो दस्तावेजों की जांच कर अंतिम सत्यापन किया जाएगा। अग्रवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2024 के 2,14,977 असत्यापित पेंशनर्स यदि 2025 का सत्यापन करवा लेते हैं तो वे स्वतः 2024 के लिए भी सत्यापित माने जाएंगे। इन्हें पिछली वर्ष की अलग से प्रक्रिया पूरी करने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2022 से अब तक जिन पेंशन स्वीकृतियों को अपात्रता या गलत जानकारी के कारण निरस्त किया गया है, उनमें यदि गलती पाई जाती है तो पुनः अनुमोदन कर पात्र लाभार्थियों की पेंशन दोबारा प्रारंभ की जा सकती है। असत्यापित पेंशनर्स की जिलेवार सूची पेंशन पोर्टल पर उपलब्ध है।

राजेश पायलट की मूर्ति के सामने रील बनाने पर लगेगा प्रतिबंध, प्राचार्य ने जारी किया सख्त आदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय परिसर में स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की मूर्ति के सामने रील बनाना अब महंगा पड़ सकता है। महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि यदि कोई छात्र या व्यक्ति परिसर में रील बनाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह द्वारा सोमवार को जारी आदेश में कहा गया है कि महाविद्यालय की गरिमा बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। परिसर के भीतर किसी भी प्रकार की फिल्मांकन गतिविधियाँ, विशेषकर रील्स बनाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कोई इस निर्देश की अवहेलना करता है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। यह निर्णय उस समय आया है जब हाल ही में सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो सामने आए, जिनमें छात्रों द्वारा स्व. राजेश पायलट की मूर्ति के आगे नाचते हुए या गानों के साथ वीडियो बनाए गए थे। इन रील्स के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जाहिर की थी। आरएलपी विधानसभा अध्यक्ष देशराज पायला ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि महाविद्यालय परिसर में स्थापित मूर्ति के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने इस विषय में प्राचार्य से चर्चा की और मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। इसके तुरंत बाद प्राचार्य ने आवश्यक आदेश जारी कर दिए।

बुनियादी सेवाओं में संवेदनशीलता से काम करें अधिकारीः जिला कलक्टर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि वे पेयजल, बिजली, चिकित्सा समेत अन्य आधारभूत सुविधाओं की आपूर्ति में पूर्ण संवेदनशीलता बरतें और जनसमस्याओं के प्रति गंभीरता से कार्य करें। जिला कलक्टर ने कहा कि यह समय मौसम की दृष्टि से संवेदनशील है, अतः किसी भी आपदा या आपात स्थिति से निपटने के लिये सभी विभाग अपनी तैयारियों को पुख्ता रखें। उन्होंने सभी सरकारी व गैर सरकारी संसाधनों की पहचान कर आवश्यकतानुसार उनका उपयोग सुनिश्चित करने, वनरेबल क्षेत्रों का चिन्हीकरण करने एवं संसाधनों की सूची को नियमित रूप से अपडेट रखने के निर्देश दिये। उन्होंने विभागवार बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए सभी योजनाओं के धरातलीय क्रियान्वयन की आवश्यकता जताई और कहा कि योजनाओं का लाभ समय पर आमजन तक पहुंचे, इसके लिये सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने विशेष रूप से विद्यालयों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल व विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में मौसमी बीमारियों की रोकथाम, गर्मी से उत्पन्न आकस्मिकताओं से निपटने, जल जीवन मिशन, सफाई व्यवस्था, शिक्षा, सड़कों, पीडब्ल्यूडी कार्यों, चिकित्सा सेवाओं व पेयजल वितरण जैसे मुद्दों पर विभागवार गहन समीक्षा की गई। पीएचईडी अधिकारी को कंटिंजेंसी प्लान, टैंकर सप्लाई, ट्यूबवेल और हैंडपंप की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक कार्य शीघ्रता से संपन्न करने को कहा गया। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों को गुणवत्ता के साथ मोटरेबल बनाने के निर्देश दिये गये। मनरेगा स्थलों, सरकारी कार्यालयों, पीएचसी, सीएचसी व सब सेंटरों पर छाया, बैठने व पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। सीएमएचओ को गर्मी व मौसमी बीमारियों को देखते हुए दवाओं का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर परिषद आयुक्त को सफाई व्यवस्था में नियमितता लाने व फील्ड निरीक्षण पर जोर देने को कहा गया। जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे रात्रि चौपाल, जनसुनवाई तथा फील्ड भ्रमण के माध्यम से आमजन से संवाद बनाये रखें, उनके फोन उठायें, समस्याओं को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करें। संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित करने पर बल दिया गया। एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने पूर्व बैठक के निर्देशों की अनुपालना, जनसुनवाई व संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को डेटा अद्यतन रखने और बजट घोषणाओं को राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुसार समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शांतिकुंज हरिद्वार के लिए 161 क्विंटल गेहूं का ट्रक रवाना

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निशुल्क भोजनालय के लिए कोटपूतली से अन्नदान का एक और महत्वपूर्ण प्रयास सामने आया है। गायत्री चेतना केंद्र कोटपूतली द्वारा स्थानीय अन्न दानदाताओं से एकत्र किए गए 161 क्विंटल गेहूं को एक ट्रक के माध्यम से सोमवार को हरिद्वार के लिए रवाना किया गया। इस ट्रक को कोटपूतली कृषि उपज मंडी परिसर से वरिष्ठ भाजपा नेता और समाजसेवी शंकरलाल कसाना ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान है और इस पुण्य कार्य में कोटपूतली की जनता का योगदान सराहनीय है। शांतिकुंज हरिद्वार में प्रतिदिन हजारों लोगों के लिए निःशुल्क भोजन तैयार किया जाता है और इस नेक कार्य में सहयोग देना समाज की सच्ची सेवा है। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी छीतरमल अग्रवाल, किश्मेरीलाल शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, रामसागर, रामरतन, किशनलाल शर्मा, प्रदीप शर्मा, रमेश सैनी, कमल जांगिड़, मूलचंद सैनी, बद्रीप्रसाद शर्मा, महेंद्र शर्मा, सुंदरलाल, दीनदयाल गौड़, सतीश शर्मा, महेशचंद्र शर्मा, सुरेंद्र मीणा, धर्मेंद्र योगी, कैलाश चंद्र, सुनील यादव, ठाकुरदत्त शर्मा, महेंद्र पटेल, जिला समन्वयक कंवर सिंह जांगिड़ समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। गायत्री चेतना केंद्र के कार्यकर्ताओं ने बताया कि यह गेहूं कोटपूतली क्षेत्र के विभिन्न गांवों और मोहल्लों से अन्न दाताओं के माध्यम से एकत्र किया गया है। इस अभियान में हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और शांतिकुंज के सेवा प्रकल्प में सहयोग दिया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि यह कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिससे जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित होती है। समाजसेवियों और कार्यकर्ताओं ने उपस्थित जनसमूह से भी आग्रह किया कि वे आगे भी इस तरह के सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि भविष्य में भी मानवता की सेवा हेतु ऐसे प्रयास लगातार जारी रखे जाएंगे।

"शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान में बड़ी कार्यवाही, 22 खाद्य नमूने असुरक्षित पाये गये

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राज्य सरकार द्वारा मिलावट के विरुद्ध चलाए जा रहे "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत जिले में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत सख्त कार्यवाही की गई है। इस अभियान के दौरान लिए गए खाद्य नमूनों की जांच में कई प्रतिष्ठानों के उत्पाद मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं, जिससे क्षेत्र में मिलावटखोरी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि 27 फरवरी से 5 मई तक जिलेभर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों शशिकांत शर्मा व नेहा शर्मा की टीम द्वारा 108 एक्ट और 178 सर्विलांस नमूने लिए गए। इनमें से अब तक 60 खाद्य पदार्थों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, जिनमें 22 नमूने अवमानक व असुरक्षित घोषित किए गए हैं। इन नमूनों में पनीर, घी, खोया, आइसक्रीम, ब्रवरेज, मिठाई व दूध से बने कई अन्य उत्पाद शामिल हैं। रिपोर्ट में जिले के कई मिठाई दुकानों, मावा प्लांट्स और किराणा स्टोर्स के उत्पादों में गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं। जिन प्रतिष्ठानों के नमूने जांच में फेल पाए गए हैं, उनमें महादेव फैमली रेस्टोरेंट शाहजहांपुर, बालाजी मिल्क फूड कोटपूतली, गुप्ता मिष्ठान भंडार मांढ़ण, इन्द्रमाला बाबूलाल बानसूर, मनीष फूड्स सोतानाला, बीकानेर मिष्ठान भंडार पावटा, जोधपुर स्वीट्स होम बहरोड़, हिमांशु मावा एवं मिष्ठान भंडार प्रागपुरा, श्री श्याम सरस एजेंसी बहरोड़, फाइन डाइन हॉस्पिटिलिटी कोटपूतली, कांता स्वीट्स नीमराणा, तिरूपति होटल एंड रेस्टोरेंट कोटपूतली, प्रिंस मावा पनीर भंडार बानसूर, बालाजी मेगा मार्ट पावटा, स्वामी सरस एजेंसी पावटा, जवाहर मेगा मार्ट पावटा, अवाना मिष्ठान भंडार बानसूर, श्री बालाजी मिष्ठान भंडार हमीरपुर और वासुदेव डेयरी नांगड़ीवास शामिल हैं। विशेष कार्रवाई के दौरान मांढ़ण स्थित हिमांशु मावा स्टोर से 715 किलो मिलावटी मावा, 175 किलो मिल्क पाउडर और 30 किलो वनस्पति जब्त कर नष्ट किया गया। इसके साथ ही नांगड़ीवास की वासुदेव डेयरी और काव्या दूध डेयरी से 1100 लीटर मिलावटी दूध, 65 किलो मिल्क पाउडर, 40 किलो वनस्पति और 10 किलो सिंथेटिक पेस्ट नष्ट करवाया गया। अधिनियम के तहत अवमानक उत्पाद पाए जाने पर अधिकतम पांच लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है

विराट पारी... गोल मटोल 'चीकू', 'भैया', 'रन मशीन' और 'किंग कोहली' के 14 साल का टेस्ट सफर खत्म

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम दिल्ली के लड़के का 'स्वैग' लेकर भारतीय ड्रेसिंग रूम में दाखिल हुए विराट कोहली क्रिकेट को लेकर अपने असीम जुनून के चलते मौजूदा दौर के महानायक बनकर उभरे और ऐसे समय में पारंपरिक क्रिकेट से विदा ली जब उनके और खेलते रहने की उम्मीद की जा रही थी। विराट ने स्वीकार किया कि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का फैसला आसान नहीं था लेकिन सही था। सवाल यह उठता है कि यह विचार उनके जेहन में पहली बार कब कौंधा ? शायद आस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद जहां उन्होंने पर्थ में दूसरी पारी में शतक के बाद सिर्फ 91 रन बनाए। स्विंग और उछाल को झेलने में उन्हें इतनी परेशानी हुई कि उनकी वापसी संभव नहीं लग रही थी। इसके बावजूद भारतीय क्रिकेट को इंग्लैंड दौरे पर उनकी जरूरत थी। शरीर से ज्यादा दिमाग की। लेकिन शायद वह पांच टेस्ट मैचों की एक और श्रृंखला खेलने के लिए तैयार नहीं थे। अपने सीनियर खिलाड़ियों के लिए गोल मटोल 'चीकू' से जूनियर खिलाड़ियों के 'भैया' तक 'किंग कोहली' ने लंबा सफर तय किया है और अपने कॅरियर में काफी उतार चढ़ाव भी देखे।

पिता की निधन की खबर सुनकर भी खेले

2006 में अठारह बरस के कोहली ने अपने पिता प्रेम कोहली के निधन की खबर सुनकर भी 90 रन बनाकर दिल्ली को फॉलोआन से बचाया और फिरोज शाह कोटला स्टेडियम से सीधे श्मशान घाट जाकर उनकी अंतिम संस्कार किया। इसके बाद 2025 में 36 साल के सुपरस्टार विराट कोहली को रेलवे के मध्यम तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने करीब 20000 दर्शकों के सामने रणजी ट्रॉफी मैच में आउट किया। वह आखिरी बार था जब कोहली सफेद जर्सी में चमचमाती एसजी गेंद को खेलते दिखे। बीच के 18 साल में उन्होंने 30 टेस्ट शतक लगाए।

10 हजार टेस्ट रन से चूके

इंडियन प्रीमियर लीग की जगमगाहट के बीच लोग कोहली को टेस्ट बल्लेबाजी करते देखना चाहते रहे हैं। कोहली को 10000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए 770 रन और चाहिए थे। उनके समकालीन इंग्लैंड के जो रूट टेस्ट में 13000 रन पूरे करने से कुछ रन पीछे हैं जबकि आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 10000 रन पूरे कर चुके हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन इससे 724 रन दूर हैं।

टी20, वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन

कोहली भारत के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उनके नाम कई रिकॉर्ड है। कोहली भारत के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने टी20 विश्व, वनडे विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसी आईसीसी के तीन खिताब जीते हैं। कोहली 2011 वनडे विश्व कप टीम का हिस्सा थे जिसने श्रीलंका को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद 2013 और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी की विजेता टीम का भी हिस्सा रहे। इसके अलावा 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का भी कोहली हिस्सा थे। कोहली के लिस्ट में सिर्फ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब नहीं जुड़ सका, जबकि दो बार टीम फाइनल में पहुंची थी।

अनुष्का के साथ घर पहुंचे विराट

भारतीय क्रिकेट फैंस को उस वक्त आज एक बड़ा झटका लगा, जब विश्व क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। टेस्ट से अपने संन्यास के एलान के बाद विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ दिल्ली अपने घर पहुंचे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से विराट और पत्नी अनुष्का का वीडियो सामने आया है। इससे थोड़ी देर पहले दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए थे।

रोहित-कोहली के टेस्ट संन्यास ने दिखाया चयन समिति का दमखम और दूरदर्शिता

नई दिल्ली। हमेशा सुर्खियों में रहने वाली भारतीय क्रिकेट टीम का चयन करना आसान काम नहीं और पिछले कुछ अर्से में कठिन फैसले नहीं लेने के कारण चयन समितियों को 'रीढ़हीन' तक करार दिया गया। एक सप्ताह के भीतर ही हालांकि अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास में अहम भूमिका निभाकर इस धारणा को बदल दिया। निश्चित तौर पर मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इसकी जानकारी रही होगी। इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र से पहले चयनकर्ताओं ने रोहित को अपने फैसले से अवगत करा दिया। इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के कोहली के अनुरोध को भी मान लिया।

9 क्रिकेटर्स ने साल 2025 में क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टीम की 'रन मशीन' विराट कोहली ने सोमवार को 14 साल के अपने टेस्ट करियर पर विराम लगा दिया। 'किंग कोहली' ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिए टेस्ट प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। विराट कोहली के साथ ही भारतीय टेस्ट टीम में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले साल दिसंबर में रविचंद्रन अश्विन और पिछले सप्ताह रोहित शर्मा ने संन्यास की घोषणा की थी। चलिए आपको ऐसे क्रिकेटर्स के नाम बताते हैं, जिन्होंने साल 2025 में किसी प्रारूप या फिर सभी फॉर्मेट्स से संन्यास लिया।

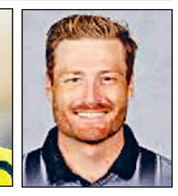

संन्यास लेने वाले क्रिकेटर्स

खिलाड़ी	देश	प्रारूप
मार्टिन गप्टिल	न्यूजीलैंड	सभी
तमीम इकबाल	बांग्लादेश	सभी
मार्कस स्टोइनिस	ऑस्ट्रेलिया	वनडे
दिमुथ करुणारत्ने	श्रीलंका	सभी
स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	वनडे
मुश्फिकुर रहीम	बांग्लादेश	वनडे
महमूदुल्लाह	बांग्लादेश	सभी
रोहित शर्मा	भारत	टेस्ट
विराट कोहली	भारत	टेस्ट

क्रिकेट जगत ने दी विराट को बधाई

'टेस्ट क्रिकेट में एक युग का अंत लेकिन उनकी विरासत हमेशा रहेगी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा। उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।'
- बीसीसीआई

'भारत के महान टेस्ट क्रिकेटरों में से एक विराट कोहली ने पारंपरिक प्रारूप से विदा ली। सफेद जर्सी नहीं पहनेंगे लेकिन ताज बरकरार रहेगा। विराट कोहली ने अतुलनीय विरासत छोड़कर विदा ली।'
-आईसीसी

'शानदार टेस्ट कॅरियर के लिए बधाई विराट कोहली। टी20 क्रिकेट के उत्थान के दौर में पारंपरिक प्रारूप की लोकप्रियता बनाए रखने और अनुशासन, फिटनेस, प्रतिबद्धता के मामले में असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए धन्यवाद।'
- जय शाह

'शेर की तरह जुनून वाला एक इंसान। तुम्हारी कमी खलेगी।'
- गौतम गंभीर

'टेस्ट क्रिकेट ने तुम्हारे भीतर के योद्धा को तलाशा और तुमने इसके लिए सब कुछ दे दिया। तुमने महान खिलाड़ियों की तरह खेला, सीने में आग और हर कदम पर गर्व। सफेद जर्सी में तुम्हारे योगदान पर गर्व है।'
- युवराज सिंह

'मेरी बिस्कोटी (एक दूसरे को प्यार से यही बुलाते हैं) को शानदार टेस्ट कॅरियर पर बधाई। आपकी प्रतिबद्धता और कौशल ने हमेशा मुझे प्रेरित किया। सही मायने में लीजैंड।'
- एबी डिविलियर्स

'विराट, हम उस दौर के साझेदार रहे हैं, साथ खेलें और गर्व से टेस्ट क्रिकेट के लंबे दिनों को जिया। सफेद जर्सी में तुम्हारी बल्लेबाजी खास रही, सिर्फ आंकड़ों के ही नहीं बल्कि इरादों, जुनून और प्रेरणा के मामले में भी।'
- हरभजन सिंह

'उनकी चाल, उनके शॉट, उनके हाव भाव, उनका जश्न मनाने का अंदाज। सभी की कमी खलेगी। एक बेहतरीन टेस्ट दौर का अंत लेकिन उनकी विरासत हमेशा रहेगी। गर्व के साथ। इस साहस, आक्रामकता और बेमिसाल जुनून के लिए शुक्रिया विराट। आपने टेस्ट क्रिकेट खेला ही नहीं, इसे बेहतर किया।'
- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

'आपके साथ खेलने का सफर खास रहा। इतनी सारी शानदार यादें और साझेदारियां। शानदार टेस्ट कॅरियर पर बधाई।'
- अजिंक्य रहाणे

'सफेद जर्सी में विराट कोहली की बात ही अलग थी। सिर्फ कौशल की बात नहीं थी बल्कि तेवर की भी। वह सिर्फ टिके रहना नहीं चाहता था बल्कि अपना दबदबा बनाना चाहता था, जीतना चाहता था। इस प्रक्रिया में उसने हमें 14 साल की अविस्मरणीय यादें दी। आगे के लिए शुभकामना।'
- झूलन गोस्वामी

'बेहतरीन टेस्ट कॅरियर पर बधाई विराट कोहली। कप्तान के तौर पर आपने मैच ही नहीं जीते, मानसिकता भी बदली। आपने फिटनेस, आक्रामकता और टेस्ट खेलने के गर्व को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।'
-इरफान पठान

खबर संक्षेप

ईशप्रीत ने आडवाणी को हराकर जीता खिताब

मुंबई। ईशप्रीत चड्ढा ने नौ घंटे तक चले मैराथन फाइनल में अनुभवी क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी को 10-7 से हराकर एनएससीआई बॉल्कलाइन स्नूकर टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। चड्ढा ने 'बेस्ट-ऑफ-19' फ्रेम के फाइनल में 62-45, 4-77, 59-35, 7-65, 68-12, 57-66, 19-60, 90 (90)-0, 33-70, 0-97 (97), 99 (94)-16, 75 (67)-35, 75-27, 68-31, 83 (68)-10, 6-122 (122), 73-72 से जीत हासिल की।

आईपीएल 17 मई से फिर शुरू होगा, तीन जून को फाइनल: बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा सत्र 17 मई से छह स्थानों पर फिर से शुरू करने का फैसला किया जिसमें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा। आठ मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद आईपीएल को रोक दिया गया था जब पाकिस्तान ने चंडीगढ़ के पास भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की थी जिससे स्टेडियम में ब्लैकआउट हो गया था। बोर्ड ने एक बयान में कहा, ''बीसीसीआई को टाटा आईपीएल 2025 फिर से शुरू करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों और सभी प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बोर्ड ने बचे सत्र के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है।'' लीग के फिर से शुरू होने पर पहला मैच 17 मई को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होगा। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार लीग मैचों के लिए छह स्थान बेंगलुरु, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद और मुंबई होंगे।

आईएलसी में रैना, दिलशान और धवन बिखेरेंगे जलवा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी सुरेश रैना, शिखर धवन और श्रीलंका के पूर्व ओपनर तिलकरत्ने दिलशान सहित कई बड़े खिलाड़ी इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में खेलते नजर आएंगे। यह टूर्नामेंट 27 मई से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। इसका फाइनल मैच 5 जून को होगा। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी शामिल हैं।

रोहित-कोहली की जगह लेने को तैयार युवा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कोहली ने रन और शतकों की झड़ी लगा दी और भारत को टेस्ट क्रिकेट में कुछ बेहतरीन ऊंचाइयों और यादगार जीत तक पहुंचाया। उनका यह प्रदर्शन युवा बल्लेबाजों के लिए 'ब्लूप्रिंट' है जिन्हें कोहली और रोहित शर्मा के बाद भारतीय क्रिकेट की कमान संभालने का काम सौंपा गया है। इनमें से कुछ पर चर्चा की गई है।

शुभमन गिल

अगली पीढ़ी के स्टार में शुभमन गिल सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं जो आने वाले दिनों में संभवतः भारत के मुख्य बल्लेबाज और टेस्ट कप्तान हो सकते हैं। पंजाब के इस खिलाड़ी ने 32 टेस्ट में 35 के औसत से 1893 रन बनाए हैं।

यशस्वी जायसवाल

जायसवाल का इंग्लैंड में पारी की शुरुआत करना निश्चित है। वह वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत में यह काम पहले ही कर चुके हैं। लेकिन इंग्लैंड के अपने पहले दौरे पर यह काम कठिन होगा। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज में रन बनाते हुए अपनी तकनीक और संयम दिखाया।

ध्रुव जुरेल

24 वर्षीय जुरेल दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ पंत के पीछे एक अच्छा बैक-अप विकल्प हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण श्रृंखला में उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वे प्रभाव नहीं छोड़ पाए। जुरेल में टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक खेलने के लिए हिम्मत और कौशल है।

बी साई सुदर्शन

साई के इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली टीम में जगह बनाने की पूरी संभावना है और उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी इंग्लैंड में काम आ सकती है जिससे वह जायसवाल की आक्रामक बल्लेबाजी के मुकाबले शांत और संतुलित बल्लेबाज बन सकते हैं। 23 वर्षीय सुदर्शन दोनों तरफ खेलना पसंद करते हैं और यह एक ऐसी चीज है जो इंग्लैंड में सफल होने में अहम होती है।

सरफराज खान

सत्ताईस वर्षीय सरफराज ने पिछले साल बेंगलुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन की आक्रामक पारी खेलकर दिखा दिया कि वह किसी भी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं। लेकिन उसके बाद से सामान्य फॉर्म और पसलियों की चोट ने उन्हें रोक दिया। सरफराज के कौशल पर कोई संदेह नहीं है लेकिन मुंबई के इस खिलाड़ी को अपनी फिटनेस पर भी काम करने के लिए कहा जा सकता है।

घुड़सवार अनुष का जर्मनी में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| बीलेफेल्ड

एशियाई खेलों के दोहरे पदक विजेता भारतीय ड्रेसेज घुड़सवार अनुष अग्रवाला ने यहां होल्टकैम्पर ड्रेसर्टेज ग्रां प्री में 69.44 प्रतिशत का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल किया। यह उनके नए घोड़े एट्रो के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन था। यह उनकी साथ में दूसरी ही ग्रां प्री थी।

2022 हांग्झोउ एशियाई खेलों में टीम स्वर्ण और व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतने वाले अनुष ने कहा, 'मुझे हमारे प्रदर्शन पर गर्व है। एट्रो और मैंने कम समय में एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखा है। इसके पीछे कई महीनों की कड़ी मेहनत रही है। हालांकि अब भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन यह सत्र की एक मजबूत शुरुआत है और मैं यहां से आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हूं।' यह जोड़ी अब इस सप्ताह के अंत में बेल्जियम के लियर में प्रतिस्पर्धा करेगी।

भारत ने की 24 सदस्यीय हॉकी टीम की घोषणा

नई दिल्ली। भारत ने सोमवार को महिला प्रो लीग हॉकी के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें मिडफील्डर सलीमा टेटे को कप्तान बनाया गया है। भारत 14 से 29 जून तक लंदन, एंटवर्प और बर्लिन में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगा। अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप कप्तान होंगी। टीम में गोलकीपर सविता और बीचू देवी खारीबाम शामिल हैं। अनुभवी सुशीला चानू पुखरामबम, ज्योति, सुमन देवी थौदम, ज्योति सिंह, इशिका चौधरी और ज्योति छत्री डिफेंडर होंगी। मिडफील्ड की जिम्मेदारी वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुजाता कुजूर, मनीषा चौहान, नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनीता टोप्पो और महिमा टेटे के कंधों पर होगी। दीपिका, नवनीत, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, रुतुजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग और साक्षी राणा फॉरवर्ड होंगी।

'गंभीर' दौर की शुरुआत, कोच बना सबसे ताकतवर शख्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ग्रेग चैपल ने जब अपनी ताकत दिखानी चाही तो उन्हें पद छोड़ना पड़ा, अनिल कुंबले टीम के 'सुपरस्टार कल्चर' से परेशान होकर गए लेकिन लगता है कि गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट के वह बिरले मुख्य कोच हैं जिनके पास कप्तान से ज्यादा ताकत है। भारतीय क्रिकेट में ऐसे असंख्य उदाहरण हैं जब खिलाड़ियों की ताकत के सामने मजबूत कोचों को पीछे हटना पड़ा। बिशन सिंह बेदी, चैपल और कुंबले खुद चैंपियन खिलाड़ी रहे हैं लेकिन उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि उन्हें कप्तान के सहायक की भूमिका निभानी पड़ेगी। जॉन राइट, गैरी कर्स्टन और रवि शास्त्री को यह पता था और वे काफी सफल रहे। विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद टेस्ट टीम में अब बड़े सितारे नहीं बचे हैं जिससे गंभीर को क्रिकेट की बिसात पर अपने मोहरे खुलकर चलने का मौका मिलेगा। बीसीसीआई के सूत्रों की मानें तो गंभीर पहले से तय करके आए थे कि टीम में 'स्टार कल्चर' खत्म करना है। सूत्र ने कहा, 'गौतम गंभीर युग की शुरुआत अब हुई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र में भारत को नए चेहरे चाहिए। टीम प्रबंधन में सभी को पता था कि टेस्ट प्रारूप में सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर गंभीर क्या सोचते हैं। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर भी उनसे इत्तेफाक रखते थे।' भारतीय क्रिकेट में कप्तान हमेशा से सबसे मजबूत शख्स रहा है । सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी, कोहली और रोहित सभी की टीम चयन में निर्णायक भूमिका रही है। लेकिन गंभीर के दौर में ऐसा नहीं है।

आज से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में लक्ष्य लय हासिल करने के लिए उत्सुक

थाईलैंड ओपन में मजबूत प्रदर्शन करेंगे आयुष और उन्नति

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा अपने हाल के शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे जबकि लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दौरान अपनी लय हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे। आयुष (20 वर्ष) और उन्नति (17 वर्ष) पिछले हफ्ते ताइपे ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। लेकिन उन्हें यहां मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए क्वालीफाइंग दौर से गुजरना होगा।

आयुष अपने शुरुआती क्वालीफाइंग मैच में फिनलैंड के जोकिम ओल्डोर्फ से भिड़ेंगे जबकि उन्नति का सामना महिला एकल क्वालीफायर में थाईलैंड की थामोनवान निथिटिकराई से होगा। वहीं सेन मुख्य ड्रॉ में आयरलैंड के नहत गुयेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। महिला एकल में मालविका बंसोड़ मुख्य ड्रॉ में अपने शुरुआती मैच में तुर्की की नेस्लिहान यिगिट का सामना करेंगी। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय को अपने पहले दौर में थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन रतचानोक इंतानोन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। रक्षिता रामराज सिंगापुर की यो जिया मिन के खिलाफ अपने पहले मैच में उतरेंगी जबकि आकर्षि कश्यप का सामना जापान की काओरू सुगियामा से होगा। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर एक किदाम्बी श्रीकांत (अभी 82वें स्थान पर) वापसी की राह जारी रखेंगे और क्वालीफायर में उनका सामना साथी भारतीय एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम से होगा। पुरुष एकल क्वालीफायर में सतीश करुणाकरण और थारुण मन्नेपल्ली भी मैदान में हैं।

तृषा-गायत्री वापसी को तैयार

विश्व की 10वें नंबर की महिला युगल जोड़ी तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद चोटों के कारण सुदीरमन कप से बाहर रहने के बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं। पिछले साल शीर्ष 10 में जगह बनाने वाली यह जोड़ी गायत्री की पीठ की चोट और ट्रीसा के कंधे की समस्या के कारण ब्रेक लेने के लिए मजबूर हुई। मुख्य ड्रॉ के शुरुआती दौर में उनका सामना मलेशियाई जोड़ी ओंग शिन यी और कारमेन टिंग से होगा। युगल में भारत का प्रतिनिधित्व पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक के की पुरुष जोड़ी और कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की महिला जोड़ी भी करेगी।

भारत नहीं लौटने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के साथ है सीए : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

आईपीएल स्थगित होने के बाद वापिस लौटे आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी अगर बाकी मैचों के लिए भारत वापिस लौटना नहीं चाहते तो क्रिकेट आस्ट्रेलिया से उन्हें समर्थन मिलेगा। यहां एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

विभिन्न आईपीएल टीमों के आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्वदेश पहुंच चुके हैं। रिकी पोंटिंग और ब्राड हाडिन जैसे कुछ पूर्व खिलाड़ी भारत में रह गए हैं जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। दूसरे कोच मसलन जस्टिन लैंगर और माइक हस्सी भी भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव के चलते लौट गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद खिलाड़ियों को लौटने के लिए कहा गया है क्योंकि आईपीएल एक सप्ताह के भीतर फिर शुरू होने वाला है। खबरों के मुताबिक, 'घबराए हुए आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अगर सुरक्षा कारणों से वापिस जाना नहीं चाहते हैं तो क्रिकेट आस्ट्रेलिया उनका समर्थन करेगा। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी चिंतित और डरे हुए हैं। रिकी पोंटिंग और ब्राड हाडिन समेत कोचिंग स्टाफ के सदस्य भारत में हैं जबकि खिलाड़ी लौट आए हैं।'

ग्राम पंचायतों के रिक्त हुए वार्ड पंच तथा नगर परिषद के रिक्त सदस्य के उपचुनाव हुए स्थगित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनाव माह मई 2025 के अन्तर्गत पंचायत समिति सैपऊ की ग्राम पंचायत मढ़ाकांकोली के वार्ड संख्या 8 एवं पंचायत समिति बाड़ी की ग्राम पंचायत मत्सूरा के वार्ड संख्या 9 में वार्ड पंच एवं उपसरपंच तथा नगर परिषद धौलपुर के वार्ड संख्या 53 के सदस्य के रिक्त पद पर उपचुनाव किए जाने थे। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत श्रीनिधि बी टी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर तनाव के मध्यनजर सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए उपचुनाव कार्यक्रम को प्रत्याहरित किया गया है।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित, बिजली, पानी, चिकित्सा जैसी बुनियादी सेवाएं मिलें सतत-डीएम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

बिजली, पानी, चिकित्सा सहित अन्य प्रमुख बिन्दुओं की समीक्षा बैठक का आयोजन जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता मे जिला कलक्ट्रेट के सभाकक्ष में हुआ। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल की नियमित आपूर्ति सुचारू रखने एवं मौजूदा कार्यो में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध कनेक्शनों के खिलाफ नियमित अभियान चलाएं तथा नवीन कनेक्शनों को समय पर जारी करें। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का समय पर निरीक्षण कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत निगम को जिले में सभी जलस्त्रोतों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखने नवीन ट्यूबवैलों पर समय पर कनेक्शन करने और आम उपभोक्ताओं की समस्या के निस्तारण हेतु निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मौसम खराब होने से विद्युत सप्लाई में व्यवधान आने पर शीघ्र दुरूस्त कराई जाये। उन्होंने ढीले तारों को टीम बनाकर कर ठीक कराने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर परिषद को शहर में सीवरेज, ब्लॉकेज एवं ओवरफ्लो की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में बजट घोषणाओं के तहत विभिन्न कार्यो की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करते हुए आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता से निराकरण करना सुनिश्चत करें। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए आवश्यक सेवाओं से जुड़े विभाग नियमित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान करें। जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग को नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे सक्रिय रखकर समस्याओं का निराकरण करने, प्रत्येक चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिधत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सभी स्टॉफ संवेदनशीलता से कार्य कर समय की पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों को बजट घोषणाओं को प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध धरातल पर साकार करने के निर्देश दिए। बैठक में उपखण्ड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉकेट लर्निंग के तत्वावधान में राजाखेड़ा ब्लॉक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से संस्था रॉकेट लर्निंग मिशन बुनियाद कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बाड़ी ब्लॉक में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के बाद सोमवार से राजाखेड़ा ब्लॉक में प्रशिक्षण की शुरुआत की गई है। ब्लॉक के सेक्टर मरैना-1 में प्रथम प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों की पूर्व प्राथमिक शिक्षा को अधिक प्रभावी, समावेशी और नवाचारी तरीके से संचालित करने हेतु तैयार करना है। प्रशिक्षण सत्रों में बालकेंद्रित शिक्षण, व्यवहारिक गतिविधियाँ, ञ्जरू (शैक्षणिक अधिगम सामग्री) का उपयोग, अभिभावकों की भागीदारी, डिजिटल शिक्षण टूल्स और डायरेक्टेड गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के संपूर्ण विकास की रणनीतियाँ साझा की गईं। सत्र में बताया गया कि किस प्रकार बच्चों को संरक्षित वातावरण में सीखने के लिए प्रेरित किया जाए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आंगनबाड़ी स्तर से ही ठोस पहल की जाए। प्रशिक्षण में सभी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सक्रिय भागीदारी दी प्रशिक्षण के दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी अविनेश कुमार महिला पर्यवेक्षक माया देवी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रशिक्षण का अवलोकन किया और कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया।

सीकर में बाइक पर जा रहे भाई-बहन को मारी टक्कर, मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर के नेछवा थाना इलाके में ट्रैक्टर ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि बाइक सवार भाई-बहन की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जहां से दोनों के शव को नेछवा अस्पताल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट किया गया है। जहां कल सुबह दोनों का पोस्टमॉर्टम होगा। थानाधिकारी रामकिशन यादव के अनुसार हादसा आज शाम को गनेड़ी और जेवली गांव के बीच हुआ। गाड़ौदा निवासी नव्या (4) पुत्री परसाराम और उसका भाई अंकुल (18) दोनों बाइक पर गनेड़ी की तरफ जा रहे थे। जबकि ट्रैक्टर सामने से आ रहा था। ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों को नेछवा अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल दोनों के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। यादव ने बताया कि नव्या और अंकुल रिश्ते में भाई-बहन है। जो किसी काम से गनेड़ी की तरफ जा रहे थे। फिलहाल टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर को पुलिस थाने में खड़ा करवाया है।

मकान मालिक को पहले दिया 10 प्रतिशत रिटर्न का लालच, फिर प्रेमिका के साथ मिलकर कर दी 60 लाख की डकैती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुरलीपुरा

राजस्थान की राजधानी में अपराध की कमर तोड़ते हुए जयपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. मुरलीपुरा थाना पुलिस ने 60 लाख रुपये की डकैती के मामले में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है. इस गिरोह के सरगना तिलक लोथिया, उसकी प्रेमिका सुमित और साथी सचिन मीणा को गिरफ्तार किया है.इनके कब्जे से डकैती की राशि में से 44 लाख रुपये बरामद किए गए हैं.

60 लाख की डकैती का मामला आया सामने

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप और पुलिस उपायुक्त अमित कुमार ने बताया कि मुरलीपुरा थाना क्षेत्र के विकास नगर निवासी परिवादी चंद्रशेखर ने 9 मई 2025 को डकैती की रिपोर्ट दी थी. पीड़ित ने बताया कि आरोपी पहले से ही उसी अपार्टमेंट में किराएदार के तौर पर रह रहे थे और लगातार संपर्क में रहकर पीड़ित का विश्वास जीतते रहे, साथ ही गिरोह का सरगना तिलक लोथिया पीड़ित को नकदी

के बदले 10% अधिक रिटर्न का लालच दे रहा था. जिसके बाद उसके कहने पर एक बड़ी रकम घर पर लाई गई. जिसके बाद उसने और उसके साथियों ने मौका देखकर नकदी देखने के बहाने बंदूक की नोक पर उससे लूटपाट की. पीड़ित ने आगे बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने पीड़ित और उसके परिवार को एक कमरे में बंद कर दिया और रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे.

दिल्ली से किया डकैत को गिरफ्तार

मामला संज्ञान में आने के बाद जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ के निर्देशन में टीम गठित की. जिसका नेतृत्व डीसीपी जयपुर पश्चिम अमित कुमार के हाथ में था. टीम ने राजस्थान के हर एरिया में खोजबीन शुरू की. तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज भी जुटाएं गए. जिसके बाद मिले सबूतों के आधार पर तिलक लोठिया को दिल्ली के निकट मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया.

गिरफ्तार आरोपी तिलक लोथिया

मुख्य आरोपी तिलक लोहिया समत उसकी प्रेमिका और सचिन मीणा (सहयोगी) के खिलाफ जयपुर और अन्य जिलों में हत्या, लूट, मारपीट जैसे मामलों में भी मुकदमे दर्ज हैं. इसके अलावा उसके बाकी आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है. जिनके लिए पुलिस अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही है.

करंट लगने से युवक की मौत, एक महीने बाद थी शादी, मदद मिलने से पहले तोड़ा दम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। युवक की शादी एक महीने बाद होनी थी। युवक निर्माणाधीन बिल्डिंग में ठेकेदार के पास फैब्रिकेशन का काम कर रहा था। दूसरी मंजिल से बिजली का तार नीचे डाल रहा था। उसी समय तार बिल्डिंग के सामने से गुजर रही बिजली की लाइन के टच हो गया। करंट लगने से युवक कुछ देर छटपटाया और फिर नीचे गिर गया। जब तक आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना आरकेपुरम थाना क्षेत्र के विवेकानंद नगर की है। आरकेपुरम थाना हेड कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र ने बताया कि घटना दोपहर डेढ़ बजे के आसपास की है। उन्हें हॉस्पिटल से जाकिर (26) की मौत की सूचना मिली। करंट लगने से हुई मौत के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है। मृतक के पिता बशीर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर ठेकेदार को पूछताछ के लिए बुलाया है। छोटे भाई जावेद ने बताया-भाई छह भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था और चावला सर्किल स्थित विवेकानन्द नगर में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में फैब्रिकेशन का काम कर रहा था। दोपहर में फोन पर करंट लगने की सूचना मिली। पता चला कि जाकिर किसी डॉक्टर की बिल्डिंग में काम कर रहा

था, जहां बिजली का कनेक्शन नहीं था और अवैध तरीके से बिजली ली जा रही थी। जावेद ने बताया- बिजली की लाइन में आकड़े डालते समय करंट लग गया, जबकि लाइन बिल्डिंग से 10-12 फीट दूर थी। हादसे के बाद ठेकेदार इमरान भाई को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गया। जाकिर की मौत लापरवाही के कारण हुई है। अगले महीने उसकी शादी होनी थी। हमारी मांग है कि बिल्डिंग मालिक के खिलाफ कार्रवाई हो और परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाए।

उदयपुर में ज्वेलर के बेटे को लूटने वाले 5 गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर की डबोक थाना पुलिस ने 17.500 किलो चांदी के जेवरात से भरा बैग छीनकर फरार होने वाली अन्तरराज्यीय महाराष्ट्र डकैती गैंग का पर्दाफाश किया है। डकैती में शामिल मुख्य आरोपी सहित 5 युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी नरेश उर्फ रोहित गायरी निवासी डबोक, सुरेशचंद्र पिता नवला गायरी निवासी डबोक, नितेश पिता मांगीलाल निवासी पुणे, सुजल सुनील पिता सुनील गायकवाड निवासी पुणे और

भरत ओसवाल पिता भबूतमल निवासी पुणे को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि प्रार्थी शिव कुमार पिता प्रहलाद राय सोनी ने 17 अप्रैल 2025 को थाने में रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि उसकी डबोक में चारभुजा ज्वेलर्स की दुकान है। 16 अप्रैल को शाम करीब 6 बजे उसने अपने बेटे को बेटे अंशुमान को रोज की तरह दुकान में रखे चांदी जेवरात एक थैले में भरकर घर ले जाने को दिए थे। बेटा बाइक से घर के लिए रवाना हुआ। उसके कुछ ही देर बाद परिचित पवन नागदा दौड़कर दुकान पर आया। रिपोर्ट में बताया- परिचित पवन नागदा ने कहा कि अंशुमान रोड के एक तरफ पड़ा हुआ है। उसके सिर से खून निकल रहा है। पिता तुरंत मौके पर पहुंचे तो अंशुमान बेहोश अवस्था में मिला। उसे तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया। आसपास लोगों से पता लगा कि दो से तीन नकाबपोश युवक आए थे और किसी हथियार से हमला कर अंशुमान को नीचे गिरा दिया था। जिसके बाद चांदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने टीम गठित करते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी। उदयपुर के अलावा मंगलवाड़, चित्तौड़गढ़, मावली, राजसमंद सहित बांसवाड़ा आदि जगहों के करीब 210 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जिसके बाद आरोपियों की पहचान हुई। फिर आरोपियों के महाराष्ट्र और गुजरात फरार होने की सूचना मिली। जिसके बाद टीमें गुजरात और महाराष्ट्र भेजी गई। करीब 20 दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 15 किलो 271 ग्राम चांदी बरामद की गई। आगे मामले में पूछताछ जारी है।

जोधपुर के बिजनेसमैन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या, दो साथी घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सिरोही

जमीन विवाद में जोधपुर के प्रॉपर्टी डीलर (बिजनेसमैन) की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। हथियारबंद बदमाशों के हमले में बिजनेसमैन के 2 साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि एक साथी किसी तरह बच निकला। घटना सिरोही के शिवगंज शहर में कांबेश्वरजी रोड पर सोमवार शाम को हुई। सिरोही पुलिस ने बताया- मूलतया समदड़ी हाल जोधपुर के शोभावतों की ढाणी रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेंट निवासी जसवंत सांखला (जैन) ने कुछ समय पहले शिवगंज शहर के कांबेश्वरजी रोड पर करीब 50 बीघा जमीन ली थी। यह जमीन एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए ली गई थी। इस जमीन के ठीक पास ही स्थित खेत के मालिक से सीमांकन (मेढ़) को लेकर विवाद चल रहा था। जानकारी के अनुसार, पड़ोसी खेत मालिक से विवाद के चलते प्रोजेक्ट में बाधा आए। इससे पहले ही जसवंत ने राजस्व विभाग से खरीदी गई जमीन का माप-जोख कराने के लिए आवेदन किया। बताया जाता है कि राजस्व विभाग के स्थानीय पटवारी व अन्य की टीम ने इस जमीन का सीमांकन भी कर दिया। इसके बाद सांखला ने इस जमीन पर झाड़ियां-कचरा हटवाने के लिए सफाई का काम शुरू कराया था। इसी सिलसिले में वह सोमवार सुबह अपने साथी हनुमान चौधरी व ओम चौधरी और एक दोस्त के साथ

शिवगंज में अपनी जमीन पर पहुंचे। यहां सफाई का काम चल रहा था। शाम करीब 4 बजे पड़ोसी खेत का मालिक कुछ बदमाशों के साथ वहां पहुंचा और पीछे से अचानक जसवंत पर कुल्हाड़ी से अंधाधुंध वार कर दिए। इससे वह वहीं पर निढाल होकर गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। वहीं, हनुमान और ओम चौधरी घायल हो गए। जबकि जसवंत का दोस्त किसी तरह वहां से बच निकला। कुछ ही देर में यहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। वारदात की सूचना मिलने पर उप अधीक्षक पुष्पेंद्र वर्मा और थानाधिकारी बाबूलाल राणा मौके पर पहुंचे। घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। एमओबी और एफएसएल विशेषज्ञों की टीम को मौके पर बुलाया। शिवगंज थाने के इंस्पेक्टर बाबूलाल राणा ने बताया- मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में खेत की मेढ़ को लेकर विवाद सामने आया है। आरोपी और मृतक के खेत आपस में सटे हुए हैं। पूरी जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। जोधपुर के व्यवसायी की हत्या के मामले की जानकारी मिलने के बाद जोधपुर रेंज आईजी विकास कुमार ने भी सिरोही एसपी से बात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। साथ ही आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

9 साल के मासूम को होटल-गार्डन में करंट लगा, मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जालोर

होटल में परिवार के साथ खाना खाने गए 9 साल के मासूम को करंट लग गया। उसने डेकोरेशन के लिए लगी लाइटों के तार को छू लिया था। परिजन तुरंत उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। करीब 5 महीने पहले ही मासूम के पिता की भी 26 जनवरी को ध्वजारोहण के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। मासूम के पिता पार्षद थे। आहोर थानाधिकारी नरपत सिंह ने बताया- रविवार रात आहोर के जोधपुर रोड स्थित होटल में हुए हादसे में पर्व जैन (9) पुत्र अरविंद जैन के करंट लगने की सूचना मिली थी। परिजनों ने उसे तुरंत आहोर के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां से उसे सुमेरपुर रेफर कर दिया गया। यहां सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पर्व के ताऊ राजेंद्र जैन ने होटल मालिक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। फिलहाल, होटल को बंद करवा दिया गया है। जांच में आगे की कार्रवाई जारी है। रिपोर्ट में परिजनों ने बताया- पूरा परिवार रविवार रात 9 बजे फैमिली रेस्टोरेंट एंड गार्डन होटल में डिनर करने गया था। इस दौरान होटल कर्मियों ने गार्डन में ही डिनर के लिए टेबलें लगाई थी। परिवार टेबलों पर बैठा खाने का इन्तजार कर रहा था। रिपोर्ट में बताया कि इसी दौरान पर्व गार्डन में खेलने चला गया था। यहां डेकोरेशन के लिए लगाई लाइटों के तार खुले पड़े थे। ऐसे में, इसी में से एक तार से टच होते ही उसे करंट लग गया। जैसे ही वह चीखा तो पूरा परिवार सकते में आ गया। उसकी तरफ दौड़े और तुरंत तार से अलग कर उसे अस्पताल लेकर भागे।

अश्लील वीडियो बनाकर पोर्न साइट को बेचती थी सॉफ्टवेयर इंजीनियर, गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जैसलमेर

जैसलमेर में बुजुर्ग का अश्लील वीडियो बनाने वाली महिला और उसके साथी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। महिला पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पैसों के लालच में वह अपने साथी के साथ मिलकर सुनसान जगहों पर अनजान लोगों के साथ अश्लील वीडियो बनाती थी। इन वीडियो को वह महंगे दामों पर पोर्न साइट को बेचती थी। जैसलमेर में भी महिला ने एक बुजुर्ग के साथ ऐसा ही वीडियो बनाकर पोर्न साइट पर पोस्ट किया था। इस पर जैसलमेर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए ढ्ढञ्ज एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर जैसलमेर लेकर आई। महिला और उसके साथी को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को

जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया- जैसलमेर में वीडियो बनाने से पहले महिला सिंगापुर, थाईलैंड आदि जगहों पर भी गई थी। वहां भी कई जगह ऐसी हरकतें कर वीडियो बनाए। अश्लील वीडियो को पोर्न साइट पर पोस्ट करने के उसे अच्छे खासे पैसे मिलते थे। आरोपी महिला दिल्ली में अपने दोस्त के साथ ही रहती थी। दोनों पैसे कमाने के लिए यह काम करते थे। जैसलमेर के तनोट थाना इलाके में पर्यटक बनकर आई महिला ने 70 साल के बुजुर्ग को बहला-फुसलाकर उसके साथ अश्लील हरकतें करने का वीडियो बनाया था। इस वीडियो को 4 मई को पोर्न साइट और सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। सैलानी की आड़ में जैसलमेर घूमने आई महिला ने न सिर्फ पशुपालक बुजुर्ग के साथ आपत्तिजनक वीडियो अश्लील वेबसाइट पर अपलोड किया। बल्कि उस महिला ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर जैसलमेर के पर्यटन स्थलों पर अपनी आपत्तिजनक तस्वीरें भी खींच कर पोस्ट कीं। महिला ने रेतीले धोरों के साथ ही पर्यटन स्थल कुलधरा के भी अपने आपत्तिजनक फोटो पोस्ट किए। हालांकि महिला ने जिस अकाउंट से इसको पोस्ट किया था, उसको बाद में डिलीट कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सुधीर चौधरी ने सीओ सिटी रूपसिंह ईन्दा को आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे। सम थाना प्रभारी सुरजाराम और डीएसटी प्रभारी हेड कॉन्स्टेबल भीमराव सिंह के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया। पुलिस ने 10 मई को दिल्ली में एक फ्लैट से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उसी दिन दोनों को कोर्ट में पेश किया।

वाइरल फीवर हो तो ऐसे करें काबू

वाइरस के कारण उत्पन्न होने वाले बुखार को वाइरल फीवर या बुखार कहते हैं। कई तरह के वाइरस मानव शरीर को प्रभावित कर सकते हैं। अलग-अलग प्रकार के वाइरस से होने वाली बीमारियों के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। वैसे तो एचआईवी/ डेंगू/ हेपेटाइटिस या चिकनपॉक्स भी वाइरस से होने वाली बीमारियां हैं, पर वाइरल बुखार से मौजूदा संदर्भ में हमारा आशय फ्लू या इन्फ्लूएंजा जैसे संक्रमणों से है। आमतौर पर वाइरल बुखार के कुछ प्रमुख लक्षण इस प्रकार हैं..

- तेज बुखार के अलावा शरीर का दुखना।
- जोड़ों में दर्द व सूजन।
- नाक का बहना, खांसी व गले में दर्द।
- शरीर पर लाल निशान होना।
- चिड़चिड़ापन होना।
- कभी-कभी निमोनिया से ग्रस्त होना और सांस लेने में परेशानी महसूस करना।
- उल्टी और दस्त लगना।

कारण

वाइरल बुखार दूषित हवा और दूषित वस्तुओं के इस्तेमाल से फैलता है। जैसे जिस स्थान पर रोगी ने छींका या खांसा, तो वहां की हवा दूषित हो जाती है। इस तरह दूषित वातावरण में आसपास के व्यक्तियों को भी वाइरस सांस के जरिये बीमार कर सकता है। बीमार व्यक्ति अपनी नाक या मुंह साफ करके अगर हाथ नहीं धोता और मेज, कुर्सी, दरवाजे या कपड़ों को छू लेता है और दूसरा व्यक्ति भी उन्हीं वस्तुओं को छूता है, तो उसे भी यह बीमारी लग सकती है।

इलाज

वाइरल बुखार का इलाज लक्षणों के आधार पर होता है। कभी-कभी एंटवाइरल दवाओं का भी इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-स्वाइन फ्लू में टैमीफ्लू दवा और बुखार को उतारने के लिए पैरासीटामोल का इस्तेमाल करें। रोगी को पूरा आराम करने दें और तरल पदार्थ ज्यादा लें।

डॉक्टर से कब सलाह लें

- अगर बुखार 3 दिनों में न उतरे।
- बुखार 104 डिग्री फारेनहाइट के ऊपर रहे।
- लगातार उल्टी से डिहाइड्रेशन हो या रोगी बेहोश हो, तो उसे तुरन्त डॉक्टर को दिखाएं।

जटिलता

समय पर समुचित इलाज न होने से कभी-कभी रोगी को न्यूमोनिया और वाइरल मेनिनजाइटिस जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती है।

घर के बजट को लेकर बात करना भी जरूरी हो जाता है। देश और प्रदेश का बजट कैसा भी हो एक आम इनसान का आय से अधिक खर्च मुसीबत आ कारण होता है। अगर आप भी आय से अधिक खर्च से परेशान है, समझ नहीं पा रहे हैं कि पैसा खर्च कहां हो रहा है। हाल में आय बढ़ने की उ मीद भी नहीं है, तो हम आपको बताते हैं, कैसे बनाएं घर का बजट, कहां करें कटौती और रखें अपने घर के बजट को पटरी पर।

पटरी पर रखें घर का बजट...

घर का बजट कंट्रोल करना सबसे मुश्किल टास्क होता है। हमारी बेहतर होती लाइस्टाइल से हमारे खर्च भी बढ़ते रहते हैं और जाने अनजाने माह के अंत में हमें पता चलता है कि इस माह कोई सेविंग ही नहीं हुई। सिर्फ कमाने-खाने व उडाने का नाम ही जिंदगी नहीं है। जीवन में भविष्य की प्लानिंग भी करनी पडती है और सबसे अहम है फाइनेंशियल प्लानिंग। भविष्य के लिए बचत करना न सिर्फ समझदारी की बात है वरन एक आवश्यकता भी है। अगर समय रहते बचत कर ली जाए, तो आकस्मिक दुर्घटनाओं व अप्रत्याशित खर्चो का सामना आसानी से किया जा सकता है। कुछ लोगों का यह मानना है कि बचत करने के लिए हाथ में अतिरिक्त पैसा होना चाहिए, लेकिन अगर आप एक बजट बनाकर चलते है, तो अपनी सीमित आय में आसानी से सेविंग कर सकते हैं।अपने खर्च को जानने के लिए बजट बनाना जरूरी है। अपने सारे खर्चो को अलग-अलग वर्गो में डालें, इससे यह समझना आसान हो जाएगा कि आप कहां फिजूलखर्ची कर रहे हैं। अपनी कुल आय का दसवां हिस्सा बचत के लिए अलग निकाल लें। अगर ऐसा करना मुमकिन नहीं और महीने के अंत में उसमें से पैसे निकालने ही पडते हैं तो 5 से 7 प्रतिशत से बचत करना शुरू करें। शुरू में थोड़ी परेशानी होगी , लेकिन एक बार बजट बनाने के बाद मुश्किलें हल हो जाएंगी। जब लिखित रूप में बजट आपके सामने होगा तो स्वंय ही समझ आ जाएगा कि फिजूलखर्ची कहां हो रही है।

हर खर्च का हिसाब

आमतौर पर छोटे-मोटे खर्चे का हिसाब नहीं रखा जाता है। इन खर्चों में शामिल होता है सैंडविच, चिप्स, कोल ड्रिंक आदि। एक अनुमान के लिए सप्ताह में आप 10 रुपए वाली 5 चिप्स खरीदते हैं तो आप पूरे साल में 2600 रुपए खर्च करते हैं। इस तरह के और भी खर्च दो-तीन दिन में एक बार हो ही जाते हैं। एक महीने तक इस तरह के मद में हुए खर्च का हिसाब रखें। फिर गणना करें कि इस तरह के खर्च में कमी लानी है या इसको घर के बजट में शामिल करना है।

पेनाल्टी देने से बचें

बच्चे की स्कूल फीस, इंश्योरेंस का प्रीमियम, क्रेडिट कार्ड का बिल आदि का समय पर भुगतान करें। समय पर भुगतान नहीं करने से पेनाल्टी देनी होती है। पेनाल्टी देने से बचने के लिए इस तरह की फीस को अपने महीने के बजट में शामिल करें। समय पर फीस देना नहीं भूले। भुलने से बचने के लिए फोन में रिमाइंडर या बैंक में ईसीएस करा लें।

खरीदारी पर लगाम

कई दफा हम-आप ऐसी वस्तु की खरीदारी कर लेते हैं जिसकी जरूरत नहीं होती है। इसका असर घर के बजट पर होता है। अगर महीने में इस तरह की खरीदारी पर 1000 रुपए खर्च करते हैं तो आप साल भर में 12000 रुपए खर्च करते हैं। यह न सिर्फ सेविंग को प्रभावित करता है, साथ ही घर का बजट को भी लड़खड़ा देता है।

मोबाइल, नेट का प्लान

घर के बजट को डांवाडोल करने में मोबाइल, नेट और केबल प्लान का अहम रोल होता है। मोबाइल, नेट और केबल प्लान का चयन करने से पहले अपनी ावश्यकता को आंकते और फिर प्लान चुनें। प्लान चुनने के लिए आप एक महीने तक मोबाइल, नेट के ऊपर आने वाले खर्च को ट्रैक करें।

क्रेडिट कार्ड

क्रेडिट कार्ड का चलन तेजी से बढ़ा है। क्रेडिट कार्ड पास होने से अनायास की खरीदारी हो जाती है। क्रेडिट कार्ड फिजूलखर्ची को बढ़ाता है। क्रेडिट कार्ड का अधिक उपयोग करने से कर्ज का बोझ हमेशा रहता है। इससे बचें और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कम से कम करें। यदि एक से अधिक क्रेडिट कार्ड है तो उसे बैंक में सरेंडर कर दें। क्रेडिट कार्ड का उपयोग कम करने के लिए खरीदारी में कैश का अधिक उपयोग करें।

डिस्काउंट का लालच

सीजन सेल में मिलने वाले डिस्काउंट का फायदा उठाने के चक्कर में बजट से अधिक की खरीदारी हो जाती है। यह हमारे बजट को प्रभावित करता है। हालांकि, सीजन सेल में मिलने वाला डिस्काउंट बहुत ज्यादा नहीं होता है। कंपनियां कीमत बढ़ा कर ही डिस्काउंट देती है। इससे बचने के लिए सीजन सेल में खरीदारी से पहले जरूरत की गणना करें और फिर खरीदारी करें।

खाद्य और अन्य व्यय

क्या आपने कभी जानने की कोशिश की है एक हफ्ते के लिए खरीदी गई सब्जी का पूरा इस्तेमाल हुआ है या खराब होकर फेंका भी गया है। यदि खराब हो कर फेंका गया है तो अगले हफ्ते सब्जी की खरीदारी का बजट कम करें। महीने के बजट में कुछ ऐसी भी खरीदारी होती है जिसका उपयोग नहीं होता है या होता भी है तो बहुत कम। बल्क में खरीददारी करने से बचें।

फाइनेंशियल प्लान

सबसे पहले शार्ट टर्म व लान्ग टर्म फाइनेंशियल प्लान बनाएं। यानी आपको कब-क्या खरीदना है, इसकी लिस्ट बनाएं। जैसे आप कोई बिजली का उपकरण खरीदना चाहते है या फिर कोई कार या मकान। बिजली का उपकरण खरीदने के लिए आपको एक-दो महीने से ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ता, परन्तु कार या मकान खरीदने के लिए आपको लंबे समय तक बचत करनी पड़ेगी। आप तभी उसको खरीद पायेंगे और उसके लिए आप पूरी योजना बना के चलें।

अलग सेविंग अकाउंट

आप अपनी बचत को सेलेरी अकाउंट में जमा न करें अन्यथा आप हमेशा अपनी बचत में खर्चे पूरे करते रहेंगे और वापस वही राशि जमा करना आसान नहीं होगा। एक अलग अकाउंट होने पर आपको सदा यह याद रहेगा कि इसमें जमा राशि आपकी बचत है और उसे बढ़ते देख आपको खुशी होगी और बचत करने की प्रेरणा भी मिलेगी।

अतिरिक्त आय

अतिरिक्त आय को बचत खाते में डालें। जब कभी कोई एक्स्ट्रा इनकम हो, वेतन बढ़े, ओवरटाइम मिले, टैक्स रिफंड का पैसा मिले आदि तो उस पैसे को अपने बचत खाते में जमा कर दें। अगर कभी बचत खाते में से इमरजेंसी में पैसा निकालना भी पड़े तो समय पर उसे वापस जमा करा दें।

खर्च पर नजर

आप अपने दैनिक खर्चों पर एक नजर डाले। आप स्वयं पर और परिवार पर कितना खर्च करते हैं। घर में एक दिन में कितना खर्च होता है। रोज ऑफिस की कैंटिन में खाने की अपेक्षा घर से लंच ले जाएं। बच्चों को उनकी जरूरत का ही सामान दिलाएं। दूसरों की देखा-देखी घर में अनावश्यक चिजों का ढ़ेर न लगाएं। जरूरी सामान ही खरीदें। बिजली व पानी का उचित उपयोग करके भी आप बचत कर सकते हैं।

लिस्ट बनाएं

बाजार में कई ऐसी चीजें होती हैं, जिन्हे देखकर मन ललचा उठता है और आवश्यकता न होने पर भी हम उन्हें खरीद लेतें हैं। बेहतर होगा कि लिस्ट बनाकर ही बाजार जाएं। सामान खरीदते समय मोल-भाव करें, इससे निश्चित रूप से बचत होगी। जहां तक हो सके किश्तों पर सामान लेने से बचें। अन्यथा ब्याज देने में ही वेतन पूरा हो जाएगा और बचत का विचार भी मन में नहीं आयेगा।

सेविंग स्कीम

पोस्ट ऑफिस व बैंक अनेक सेविंग स्कीम चलाते हैं, जिनका फायदा आप उठा सकते हैं। आप पीपीएफ में भी पैसा डाल सकते हैं , इसमें टैक्स में भी छूट मिलती है और आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। स्मॉल सेविंग स्कीम लेना ज्यादा ठीक रहता है। इसके साथ ही आप इंश्योरेंस भी कराएं। इंश्योरेंस का अर्थ सुरक्षित जीवन तो है ही , साथ ही यह बचत करने का भी एक अच्छा विकल्प है इस तरह आप अपने पैसे की बचत कर के उसी पैसे से अपने जीवन के सपनों को साकार कर सकते है और आप पर कोई अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा।

पूर्वजों का खाना बेहतर..

स्वस्थ रहने और समय से पहले बुढ़ापे से बचने के लिए लोगों को एक संतुलित आहार की तलाश रहती है। लेकिन भारत में एक नई खोज हुई है कि अगर आप लाइफ स्टाइल की वजह से होने वाली बीमारियों से बचते हुए हेल्दी रहना चाहते हैं, तो अपने पूर्वजों के जैसा ही भोजन करें। अब तक स्टोन एज में खाए जाने वाले खाने के महत्व पर केवल पाश्चात्य जगत में ही चर्चा की जाती थी। लेकिन दुबले होने की चिंता से पीड़ित भारतीय युवा वर्ग को भी अब यह सोच आकर्षित करने लगी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हर किसी के लिए एक तरह के आहार की सिफारिश करना गलत होगा, लेकिन हम हर किसी के लिए पाषाणयुगीन खानपान से काफी कुछ ले सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि हमारे पूर्वजों का भोजन रेशे यानी फाइबर और पोषक तत्वों से भरपूर था जिससे वे काफी स्वस्थ रहते थे और बुढ़ापा भी उनमें देर से आता था। लेकिन आजकल हमलोग जो खाना खा रहे हैं उसमें फाइबर कम और सोडियम ज्यादा होता है। यही कारण है कि मधुमेह से लेकर हृदय संबंधी रोग के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए हमें पाषाणयुगीन खाद्य सामग्रियां जैसे सभी तरह की सब्जियां, फल और शाक से भरपूर भोजन लेना चाहिए।

यह है फायर थेरेपी...

दुनिया में बहुत सारी बीमारियों का इलाज अजीबो गरीब तरीकों से किया जाता है। ऐसा सिर्फ हमारे देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी देखने को मिलता है जैसे कि चीन में बहुत सारी बीमारियों का इलाज फायर थेरेपी से किया जाता है। इलाज करने वाला मरीज के शरीर पर अल्कोहल का छिड़काव कर आग लगा देता है। चीन में कुछ लोग इसे खास तरह का इलाज मानते हैं जिससे तनाव, अवसाद, बदहजमी और बांझपन से लेकर कैंसर तक का इलाज संभव माना जाता है। फायर थेरेपी के नाम से मशहूर यह विधि पिछले 100 से ज्यादा सालों से चीन में इस्तेमाल हो रही है।

हालांकि इस बात के कोई प्रमाण नहीं है कि फायर थेरेपी वाकई कारगर है। इस विधि से इलाज करने वाले झांग फेंगाओ अपने काम के लिए काफी लोकप्रिय हैं। वे कहते हैं कि फायर थेरेपी मानव इतिहास में चौथी बड़ी क्रांति है। इसने चीनी और पश्चिमी दोनों ही तरह की इलाज पद्धति को पीछे छोड़ा है। इसमें शरीर में गर्मी और ठंडक के बीच सामंजस्य बनाने पर जोर दिया गया है। शरीर की ऊपरी सतह को गर्म करके अंदर की ठंडक दूर की जाती है। फायर थेरेपी से इलाज हाल में एक बार फिर चर्चा में आया जब एक मरीज की इलाज के दौरान खींची गई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि चीन के इस इलाज ने दुनिया भर में सवाल खड़े कर दिए हैं।

जब होटल में जाएं...

वेकेशन शब्द जुबान पर आते ही, जेहन में तस्वीर उभरती है, वह है खूब खाना, खूब पीना, कम सोना और फिर लौटने पर शुगर, बीपी, वजन सब कुछ बढ़ा हुआ पाना। दरअसल लग्जरी होटलों का यह सदियों पुराना मॉडल है जो फ्रीक्वेंट ट्रेवेलर्स को अनहेल्दी बना रहा है। दुनिया भर मे लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों के बढ़ते बोझ और लोगों की दिन रात की टेंशन को देखते हुए अब वेकेशन और हास्पिटैलिटी की परिभाषा को दोबारा लिखने की जरूरत महसूस होने लगी है। बहुत सारे होटलों ने इसके अनुकूल खुद को ढालना भी शुरू कर दिया है, लेकिन इसे लेकर अभी ज्यादा जागरूकता नहीं आई है। ऐसे में अगर आप भी लंच या डिनर के लिए होटल या रेस्टोरेंट में अकसर जाते रहते हैं तो वहां बहुत से ऑप्शन होते हैं। खाने के मेन्यू कार्ड को पढ़कर मन ललचाता है कि बहुत सारी चीजें मंगवा कर उनका आनंद उठाएं। कभी मन मलाई कोफ्ते पर ललचाता है तो कभी पिज्जा पर, कभी नानवेज या मंचूरियन पर। मन का क्या है अच्छी चीज देखते ही लार टपकने लगती है। कैलोरीज का ध्यान रखना बुद्धि ही बताती है। बुद्धि की मानकर, कैलोरीज का ध्यान रखकर हेल्दी ऑप्शन पर जाना ही समझदारी है।

प्रोटीन को दें महत्ता

अपने लंच, डिनर में प्रोटीन के खाद्य पदार्थों को नजर में रखते हुए आर्डर दें क्योंकि प्रोटीन कैलोरी आपके शरीर का वजन आसानी से नहीं बढ़ने देती, फैट्स वाले खाद्य पदार्थ वजन बढ़ाने में सहायक होते हैं। प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ दिमाग में खाने की इच्छा बढ़ाने वाले संकेतों को कम करते हैं, ऐसा मानना है वाशिंगटन की यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का। अगर दिमाग को खाने में संतुष्टि महसूस होगी तो आप भोजन का सेवन कम करेंगे।

सलाद अवश्य लें

फल और सब्जियों का सलाद अवश्य आर्डर करें। यह हैल्दी ऑप्शन है। सलाद चीज ड्रेसिंग वाला न लें। साधारण हरी सब्जियों और फलों का सलाद लें। हो सके तो बिना चाट मसाले और नमक के उसका सेवन भोजन से पहले करें। इसका लाभ यह है कि जब आप सलाद का सेवन करते हैं तो उसके साथ अन्य खाद्य पदार्थों का स्वाद भी कम आता है। सामान्य फल और वेजिटेबल सलाद आपको स्लिम रखने में मदद करते हैं।

पनीर आर्डर न करें

होटलों और रेस्टोरेंट में पनीर की डिशेज कैलोरी से भरपूर होती हैं चाहे वो बटर पनीर हो, शाही पनीर हो या पनीर परांठा और नॉन भी। रेस्टोरेंट में पनीर की सब्जी बनाते समय क्रीम का प्रयोग बहुत किया जाता है जबकि अधिकतर शाकाहारी लोगों की पसंद पनीर होती है। अगर ग्रुप में हैं तो बहुत थोड़ा-सा पनीर लें। मोटे लोगों को बाजारी पनीर का सेवन कम करना चाहिए। कुछ लोगों को पनीर के सेवन के बाद सिरदर्द की शिकायत होती है क्योंकि इससे टाईरामॉइन एंजाइम होता है। सभी दुग्ध उत्पादों में से पनीर सेहत के लिए अच्छा होता है परन्तु घर पर घर का बना पनीर खाएं।

चाय में ग्रीन टी लें

अगर आप खाने के बाद चाय के शौकीन हैं तो नार्मल चाय अवॉइड करें। चाय का मन है तो ग्रीन टी ही ऑर्डर करें। ग्रीन टी में एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं जो वजन कम करने में सहायक होते हैं। चाय के शौकीन लोगों को दिन में दो-तीन बार ग्रीन टी पीनी चाहिए जिससे आप फिट, ताजा और ऊर्जावान भी बने रहेंगे पर याद रखें, ग्रीन टी बिना दूध के ही पिएं क्योंकि दूध मिलाने से चाय में फैट घटाने की क्षमता कम हो जाती है। हेल्थ की दृष्टि से बिना दूध के ग्रीन टी बहुत बढ़िया टॉनिक है।

डेजर्ट भी अवाइड करें

अगर आप किसी बिजनेस पार्टी या ऑफिस मीटिंग के बाद लंच या डिनर ले रहे हैं तो अंत में स्वीट डिश अपने लिए अवाइड करें। दूसरों के लिए आर्डर करें, अगर आपको लेनी भी पड़े तो कम से कम मात्रा अपनी प्लेट में लें और धीरे-धीरे ही खाएं। जब भी अवसर मिले इसे अवाइड करें, इसी में बुद्धिमत्ता है।

मेरे व्यक्तित्व को दर्शाता है 'द रॉयल्स' की सोफिया का किरदार

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपने आगामी शो 'द रॉयल्स' को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। वो अपने शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। शो में भूमि एक आत्मविश्वासी और खुले विचारों वाली लड़की सोफिया का किरदार निभा रही हैं। जो उनके बाकी किरदारों से काफी अलग है। अब उन्होंने सीरीज के अपने किरदार और अपने को-स्टार ईशान खट्टर के साथ काम करने के अपने अनुभव को लेकर बात की।

शो को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि पहली बार स्क्रीन पर उनके लुक पर वाकई ध्यान दिया गया और उनकी देखभाल की गई। अपनी हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने सीरीज 'द रॉयल्स' को लेकर बात की। इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, यह अनुभव मेरे लिए सबसे अलग था। क्योंकि यह पहली बार था जब मुझे अपने ऑन-स्क्रीन लुक के साथ वास्तव में प्रयोग करने का मौका मिला। पहली बार ऐसे लोग थे जो वास्तव में इस बात की परवाह करते थे कि मैं स्क्रीन पर कैसी दिखती हूं, जो मेरे लिए एक नया और ताजा अनुभव रहा। मैंने कभी भी कट, कट, बाल ठीक नहीं है, ये एंगल, वो एंगल, ऐसा अनुभव किया ही नहीं था। 'द रॉयल्स' में ऐसा देखकर मैं वाकई हैरान थी और काफी खुशी मिली।

इस दौरान भूमि ने अपने किरदार सोफिया को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, सोफिया की भूमिका निभाना, मेरे अपने व्यक्तित्व को दर्शाता है। मैंने कभी किसी किरदार को निभाने में इतना आत्मविश्वास महसूस नहीं किया, जो बदले में दर्शकों के लिए खुल जाता है। मुझे सोफिया का किरदार निभाना बहुत पसंद आया।

ईशान खट्टर ने निभाया है लीड रोल

प्रियंका घोष और नुपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित 'द रॉयल्स' 9 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है। इस शो में भूमि के साथ ईशान खट्टर और जीनत अमान समेत कई कलाकार हैं। एक रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा सीरीज है।

सुमित पुरोहित की बागी बेचारे में शामिल हुए अभिषेक बनर्जी

बॉलीवुड में नई फिल्म के जरिए धमाल मचाने की तैयारी की जा रही है और इसका नाम है बागी बेचारे। मशहूर लेखक और निर्माता सुमित पुरोहित इस बार निर्देशक की कुर्सी संभाल रहे हैं। यह फिल्म बीई8 फिल्म्स प्रोडक्शन (अश्वनी कुमार), ट्रेनट्रिपर फिल्म्स और इनक्लूसिव पिक्चर्स के सह-निर्माण से बन रही है।

बागी बेचारे में स्कैम 1992 फेम प्रतीक गांधी, पाताल लोक के अभिषेक बनर्जी और पंचायत के फैसल मलिक जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। वहीं, मिर्जापुर के लेखक पुनीत कृष्णा इस प्रोजेक्ट में सह-लेखक की भूमिका में हैं, जबकि इनसाइड एज और श्रीकांत के प्रोजेक्ट्स लिख चुके सुमित पुरोहित फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इसके अलावा, बंबई मेरी जान के निर्माता अश्वनी कुमार और क्रिएटिव प्रोड्यूसर देवांश पटेल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

बागी बेचारे एक व्यंग्यात्मक कहानी है, जो आज के समय को आईना दिखाएगी। सुमित पुरोहित ने वैरायटी के साथ एक इंटरव्यू में कहा, व्यंग्य मेरे लिए एक तरह का सुकून है। यह हमें उन सच्चाइयों का सामना करने की हिम्मत देता है, जो ना तो पूरी तरह सच लगती हैं और ना ही इन्हें नजरअंदाज किया जा सकता है। इतने सारे प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करना मुझे यह यकीन दिलाता है कि हम ऐसी कहानियां बता सकते हैं, जो ना सिर्फ ईमानदार हों, बल्कि हमारे समय को बेबाकी से दर्शाएं।

कलाकारों का उत्साह

प्रतीक गांधी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना, जो सच्ची कला और सहयोग से बनी हो, बहुत खास है। एक अभिनेता के तौर पर यह प्रेरणादायक है और मैं इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस करता हूं। वहीं, अभिषेक बनर्जी ने कहा, यह देखना खुशी की बात है कि स्वतंत्र और रचनात्मक फिल्में आज मुख्यधारा का हिस्सा बन रही हैं। हम सिनेमा के सुनहरे दौर में हैं और एक अभिनेता के तौर पर मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहता हूं, जो दर्शकों को नई सोच दें और उनकी उम्मीदों को चुनौती दें।

ऊटी में थामा के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग कर रहे आयुष्मान खुराना

स्टारर वैम्पायर-थीम वाली कॉमेडी फिल्म थामा शूटिंग के अपने अंतिम फेज में पहुंच गई है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार की इस फिल्म का अंतिम शूटिंग शेड्यूल 28 अप्रैल से ऊटी में शुरू हुआ है। क्लाइमैक्स और रोमांस के अहम सीन फिल्माए जाएंगे। यह शेड्यूल 25 मई तक चलेगा। इसमें क्लाइमैक्स और मुख्य किरदारों के बीच रोमांस के सीन्स सहित कई अहम सीन्स शूट होंगे। प्रोडक्शन टीम वर्तमान में तमिलनाडु के नीलगिरी जंगलों में डोड्डाबेट्टा पीक के पास डेरा डाले हुए है, जहाँ वे नवाजुद्दीन के किरदार की कहानी भी फिल्माने की तैयारी कर रहे हैं।

नेपोटिज्म के आरोपों पर पलक ने दिया जवाब

अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'द भूतनी' को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। फिल्म में पलक की एक्टिंग को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। इंडस्ट्री में अपनी पहचान में बनाने में जुटीं पलक तिवारी पर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी होने के नाते नेपोटिज्म के आरोप भी लगते रहे हैं। उन्हें भी इस बहस का कई बार सामना करना पड़ता है। हालांकि, पलक ने हमेशा से ही नेपोटिज्म पर खुलकर बात की है। उनका मानना है कि इंटरनेट की दुनिया में लोग काफी कठोर होते हैं और वो ट्रोल करते हैं, लेकिन हमारा काम है कि अपने माता-पिता की विरासत को बनाए रखना।

बातचीत के दौरान जब पलक तिवारी से उनके समकक्ष कलाकार अनन्या पांडे, खुशी कपूर, इब्राहिम अली खान और जुनैद खान जैसे स्टारकिड्स को अपने फिल्मी घराने से आने के कारण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है, इसको लेकर सवाल किया गया। तब पलक तिवारी ने जवाब देते हुए कहा, इंटरनेट पर लोग स्टार किड्स के मामले में थोड़ा निर्दयी हैं। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि इसके साथ एक जिम्मेदारी भी होती है। लोग हमारे पैरेंट्स को लेकर काफी प्रोटेक्टिव हैं, क्योंकि वो उनको देखकर बड़े हुए हैं। वो उनसे प्यार करते हैं। मुझे पता है कि प्रेरणा के किरदार ने लोगों को प्यार का मतलब सिखाया है। वो श्वेता तिवारी को लेकर इतना अधिक जुड़ चुके हैं, इतना अधिक सुरक्षात्मक हैं कि जब वो मुझे उनकी बेटी के रूप में एक्टिंग में देखते हैं, तो सोचते हैं कि वह कभी भी उससे मेल नहीं खाएगी। ये सिर्फ लोगों का हमारे माता-पिता को लेकर लगाव और प्यार है।

पलक ने आगे इस बारे में और लोगों की उम्मीदों के बारे में बात करते हुए कहा कि हम स्टारकिड्स कभी भी अपने पैरेंट्स की बराबरी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, लोग यह भूल जाते हैं कि हम कभी भी अपने माता-पिता की बराबरी नहीं करना चाहते। हम अच्छी तरह जानते हैं कि हम कभी भी उस मुकाम को छू नहीं सकते और हम उनके सबसे बड़े फैन हैं। मुझे लगता है कि मैं सभी स्टार किड्स की तरफ से बोल सकती हूं कि हमारा एकमात्र उद्देश्य बस उस विरासत को बनाए रखना है और उसे नुकसान नहीं पहुंचाना है।

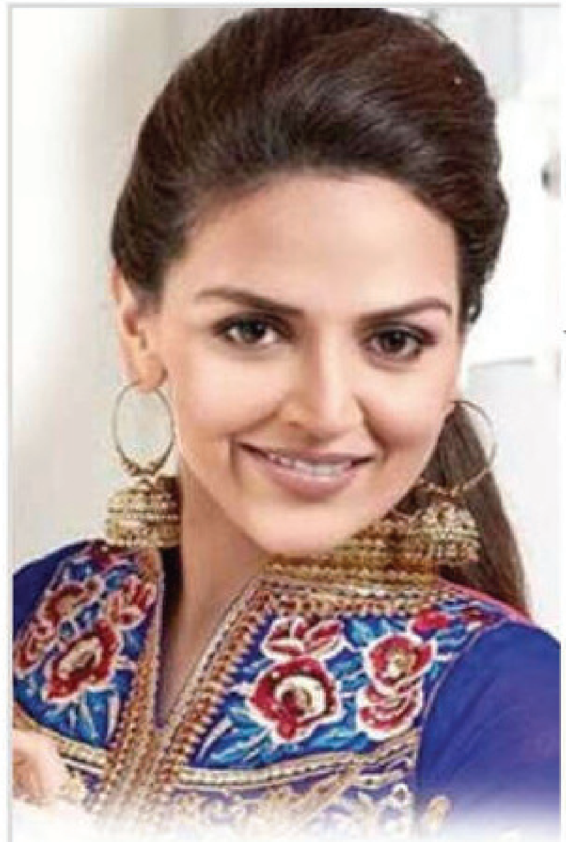

मुझे सिंगल मदर कहलाना पसंद नहीं

दिग्गज स्टार हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने साल 2024 में पति भरत तख्तानी से अलग होने का फैसला लिया। हाल ही में एक इंटरव्यू में ईशा से उनके अलग होने के बाद से सिंगल पैरेंटहुड के बारे में पूछा गया। ईशा ने बताया कि भरत और उन्होंने अपनी दो बेटियों राध्या और मिराया के खातिर एक नया डायनैमिक्स बनाया है। ईशा ने कहा कि मैच्योर पर्सन के रूप में माता-पिता को एक नया डायनैमिक्स विकसित करना चाहिए ताकि परिवार की यूनिट तब भी एक साथ रह सके जब माता-पिता ने अलग होने का फैसला किया हो।यूट्यूब चैनल ममाराज़ी के साथ बातचीत में ईशा से पूछा गया कि क्या सिंगल मॉम होना ज़्यादा सही है या ये बोझिल है? इस पर ईशा ने कहा कि वह खुद को सिंगल मदर के रूप में सोचना पसंद नहीं करती हैं। उन्होंने कहा- मुझे खुद को सिंगल मदर के रूप में सोचना पसंद नहीं है क्योंकि मैं एक सिंगल मदर की तरह व्यवहार नहीं करती और न ही मैं दूसरे व्यक्ति को मेरे साथ ऐसा व्यवहार करने देती हूं। ईशाने कहा, यह सिर्फ इतना है कि जीवन में, कभी-कभी, कुछ चीज़ों के कारण, भूमिकाएं बदल जाती हैं और अगर यह एक तय इक्वेशन में काम नहीं करता है कि दो लोग एक समय में क्या थे, तो आपको इसे अपने ऊपर लेना चाहिए, खासकर जब आपके बच्चे हों, तो दो मैच्योर व्यक्तियों को इसे दूसरे डायनैमिक के रूप काम करना चाहिए लेकिन बच्चों की खातिर यूनिट को एक साथ रखना चाहिए। और ठीक यही मैं और भरत करते हैं।

इसी बातचीत में ईशा से यह भी पूछा गया कि वह अपने काम और बच्चों के बीच समय को मैनेज कैसे करती हैं, तो उन्होंने कहा कि सभी कामकाजी माताओं को टाइम मैनेजमेंट की कला में महारत हासिल करनी चाहिए क्योंकि यह बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, क्योंकि इसके बिना, अगर आपका शेड्यूल बिगड़ जाता है तो यह गिल्ट पैदा करता है और मैनेजमेंट खराब हो जाता है। ईशा ने बताया कि कभी-कभी वह एक महीने पहले ही अपना शेड्यूल बना लेती हैं ताकि वह अपनी बेटियों के लिए समय निकाल सकें।

मैं अपने दोस्तों से कम मिलती हूं, मैं कम बाहर जाती हूं उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, अगर एक दिन मुझे 10 या 12 घंटे शूटिंग करनी है तो मैं अपनी बेटियों के साथ कम से कम 4 घंटे पूरे मन से बिताने की कोशिश करती हूं। छुट्टी वाले दिन मैं पूरा दिन अपने बच्चों के साथ बिताती हूं। मैं ऐसी चीजें करती हूं जो उन्हें पसंद हों, ताकि वे संतुष्ट और संतुष्ट महसूस करें कि मैं उनपर 100 प्रतिशत ध्यान दे रही हूं। मैं अपने दोस्तों से कम मिलती हूं, मैं कम बाहर जाती हूं क्योंकि बैलेंस बनाने का यही एकमात्र तरीका है।

हमारे दोनों बच्चों का हित और बेहतरी हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण

बता दें कि ईशा और भरत तख्तानी की शादी 2012 में हुई थी। उन्होंने 2024 में एक बयान के साथ अपने अलगाव की घोषणा की, जिसमें लिखा था, हमने आपसी सहमति से और सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग होने का फैसला किया है। हमारे जीवन में इस बदलाव के माध्यम से, हमारे दोनों बच्चों का हित और बेहतरी हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और रहेगा। हम चाहेंगे कि हमारी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए।

फ्लॉप के सिक्सर के बाद पूजा हेगड़े की गाड़ी खा रही हिचकोले, इस नई फिल्म को लेकर संकट

आमतौर पर हिंदी फिल्मों के निर्माता और निर्देशक ऐसी बातें खुल्लम खुल्ला करते हैं और किसी एक सितारे की फिल्में कतार से फ्लॉप होनी शुरू हो जाएं तो उसे 'पनौती' का नाम तक दे डालते हैं, लेकिन एक तमिल और दो तेलुगु फिल्में करने के बाद हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ साल 2016 में फिल्म 'मोहजोदाड़ो' में लॉन्च हुई अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ ऐसा कुछ अभी तक तो नहीं हुआ है। हां, उनकी वरुण धवन के साथ बन रही फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के ताजिये अभी से ठंडे पड़ते दिख रहे हैं।

इस साल में हिंदी और अब तमिल में दो बैक टू बैक फ्लॉप फिल्में दे चुकीं अभिनेत्री पूजा हेगड़े की नई हिंदी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसी साल के शुरू में रिलीज हुई फिल्म 'देवा' पूजा की हिंदी में लगातार छठी फ्लॉप फिल्म है। निर्देशक आशुतोष गोवारिकर उन्हें साउथ सिनेमा से अपनी फिल्म 'मोहनजोदाड़ो' के लिए खोजकर लाए थे, और अब साउथ सिनेमा से ही पूजा का बोरिया बिस्तर सिमटता नजर आ रहा है। फिल्म 'रेट्रो' के बाद उनके पास तमिल में उनके अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही 'जन नायकन' और 'कंचना 4' ही हैं। पूजा हेगड़े के नाम के साथ हिंदी की कुछ मेगा बजट फिल्में हैं, जिनमें से एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट का तमगा निर्विवादित ढंग से नहीं पा सकती है। साल 2016 में 'मोहनजोदाड़ो' में ऋतिक रोशन का करियर दांव पर लग गया था और अभी पिछले साल 'किसी का भाई किसी की जान'का जो हश्र हुआ, उसने सलमान खान जैसे बीते दिनों के सुपरस्टार के तोते उड़ा दिए हैं। प्रभास की फिल्म 'राधेश्याम' और रणवीर सिंह की सुपरफ्लॉप फिल्म 'सर्कस' में भी पूजा हेगड़े के होने की लोग इन दिनों फिर से गिनती कर रहे हैं।

पूजा हेगड़े का ताजा मामला उनके फिल्म 'देवा' के को-स्टार वरुण धवन का है। वरुण धवन हिंदी फिल्म जगत में करीब-करीब हाशिये पर आ चुके हैं। उनकी वेब सीरीज 'सिटाडेट हनी बनी' का दूसरा सीजन कैंसिल हो चुका है। 'देवा' का बॉक्स ऑफिस पर जो हाल हुआ, वह अब किसी से छुपा नहीं है। निर्देशक डेविड धवन ने अपने बेटे वरुण धवन की मदद के लिए फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' शुरू की है। इस फिल्म में उन्होंने फिल्म 'देवा' की ही जोड़ी को रिपीट किया है लेकिन फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो जाने के बावजूद इस फिल्म में अब न तो किसी कॉरपोरेट घराने ने दिलचस्पी दिखाई है और न ही किसी सैटेलाइट चैनल या ओटीटी की इस फिल्म में रुचि बनती दिख रही है।

वरुण धवन की इस फिल्म में हीरोइन बनेंगी मृणाल ठाकुर

हाल ही में अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस निर्देशक डेविड धवन के साथ दिख रही हैं, जो शूटिंग सेट से साझा की गई है। इस तस्वीर को मृणाल ठाकुर ने यूके से शेयर किया है, जिसमें वह निर्देशक डेविड धवन के साथ मुस्कुराती हुई बैठे नजर आ रही हैं। आपको बताते चलें कि रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री इस समय है जवानी तो इश्क होना है फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं। इस फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता के तौर पर एक्टर वरुण धवन हैं, जो शूटिंग में जोरो-शोरों से व्यस्त हैं। इसके अलावा रिपोर्ट्स के जरिए ये जानकारी भी सामने आ रही है कि फिल्म में मृणाल ठाकुर के साथ पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बंद 32 हवाई अड्डे फिर से खोले गए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव के चलते बंद किए गए देश के 32 हवाई अड्डों को एक बार फिर से नागरिक उड़ानों के लिए खोल दिया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। इन हवाई अड्डों पर तत्काल प्रभाव से उड़ान संचालन बहाल करने को लेकर औपचारिक घोषणा की है। गौरतलब है कि भारत-पाक के बीच सैन्य टकराव के कारण 9 मई से 15 मई तक देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में स्थित 32 हवाई अड्डों, जिनमें श्रीनगर और अमृतसर जैसे प्रमुख एयरपोर्ट शामिल हैं, से नागरिक उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और अन्य उड्डयन प्राधिकरणों ने (नोटिस टू एयरमेन) जारी कर इन हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करने की सूचना दी थी। अब स्थिति में सुधार के संकेत मिलने के बाद इन हवाई अड्डों को चरणबद्ध तरीके से दोबारा खोलने की प्रक्रिया शुरू की गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के नोटिस के मुताबिक बंद किए गए सभी 32 हवाई अड्डों पर उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। इन हवाई अड्डों में उधमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जम्मू और जैसलमेर, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर) और लेह शामिल हैं। इसके अलावा, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई में भी परिचालन कर दिया गया है।

कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता पर जवाब दे केंद्र सरकार, कांग्रेस ने मांगा जवाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को केंद्र सरकार से कश्मीर मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है और पूछा है कि क्या केंद्र सरकार कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए तैयार है? साथ ही कांग्रेस पार्टी ने चेताया है कि अगर सरकार कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार करती है तो ये शिमला समझौते का उल्लंघन होगा। कांग्रेस पार्टी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर सवाल उठाए जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उन्होंने ही भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराई। तिरुवनंतपुरम में पार्टी के एक कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि उनकी पार्टी जानना चाहती है कि क्या देश की विदेश नीति में किसी तरह का बदलाव किया गया है। उन्होंने इस मामले पर जल्द से जल्द संसद सत्र बुलाने की मांग की। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 'क्या शिमला समझौता, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत-पाकिस्तान के अलावा तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को खारिज करता है, क्या उसका उल्लंघन हुआ है? ट्रंप रोजाना बयानबाजी कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि उन्होंने मध्यस्थता कराई है। ऐसे में सरकार को इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए।'

गाजा में इस्राइल के हमले में 16 लोगों की मौत, आश्रय स्थल पर हमले में ज्यादातर बच्चे-महिलाएं हुईं शिकार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दीर अल-बलाह

गाजा में इस्राइल की तरफ से हवाई हमले लगातार जारी है, वहीं ताजा हमले में 16 लोगों की मौत हो गई है। इसे लेकर स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि आश्रय स्थल पर हमले में ज्यादातर बच्चे-महिलाएं शिकार बने हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन सेवा ने बताया कि जबालिया इलाके में एक स्कूल पर हुए हमले में मारे गए लोगों में कम से कम पांच बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं। इसने यह भी बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। इस मामले में इस्राइली सेना का कहना है कि वह केवल आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौत के लिए हमास को दोषी ठहराती है क्योंकि उसके लड़ाके घनी आबादी वाले इलाकों में काम करते हैं। नवीनतम हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। बता दें कि, यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर जा रहे हैं। दो महीने पहले युद्धविराम समाप्त करने के बाद, इस्राइल गाजा पट्टी में युद्ध को और तेज कर रहा है, जहां भोजन, दवा और अन्य आपूर्ति पर 10 सप्ताह की नाकाबंदी के कारण मानवीय संकट और भी बदतर हो गया है। हमास ने कहा कि युद्ध विराम के प्रयास में, इस्राइल की तरफ से नाकाबंदी किए गए क्षेत्र में क्रॉसिंग को फिर से खोलने और क्षतिग्रस्त एन्क्लेव में सहायता वितरण को फिर से शुरू करने के प्रयासों के तहत गाजा में अंतिम जीवित अमेरिकी बंधक को रिहा किया जाएगा। हमास के अधिकारियों ने बताया है कि उन्हें अगले 48 घंटों में एडन अलेक्जेंडर की रिहाई की उम्मीद है। वहीं ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ ने इसकी पुष्टि है कि हमास ने ट्रंप के प्रति सद्भावना के तौर पर अलेक्जेंडर को रिहा करने पर सहमति जताई है। मार्च में इस्राइल की तरफ से युद्ध विराम तोड़ने के बाद पहली बंधक रिहाई की घोषणा ट्रंप के इस सप्ताह मध्य पूर्व के दौरे से कुछ समय पहले हुई है। अलेक्जेंडर एक इस्राइली-अमेरिकी सैनिक है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में पला-बढ़ा है। इस्राइल की तरफ से गाजा की नाकाबंदी के कारण अकाल की आशंका है अस्पताल के मरीज सबसे कमजोर लोगों में से हैं क्योंकि गाजा में फलस्तीनी लोग खुद का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

पाकिस्तान का शांति और युद्धविराम महज धोखा, भारत हमला करता है तो हम साथ हैं... बीएलए ने किया ऐलान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सक्रिय विद्रोही समूह बलूच लिबरेशन आर्मी ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर अपनी भूमिका को स्पष्ट किया है। बीएलए ने दो टूक लहजे में बताया है कि वह न तो किसी का मोहरा है और ना ही मूक दर्शक। उसने भारत को सतर्क करते हुए कहा कि पाकिस्तान की शांति और युद्धविराम का वादा महज धोखा है। उसने यहां तक हाँ कि पाकिस्तान के वादों पर विश्वास करने का समय बीच चुका है। बीएलए ने भारत को भरोसा दिलाया कि अगर वह पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है तो वह पूर्वी और पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा। उसने यहां तक कहा कि पाकिस्तान को खत्म किए बिना इलाके में कभी भी स्थायी शांति नहीं हो सकती है।

बीएलए किसी का मोहरा नहीं

सोशल मीडिया पर जारी किए लिखित बयान में बीएलए ने कहा, "बलूच लिबरेशन आर्मी चल रहे और बढ़ते संघर्षों और क्षेत्रीय तनावों की पृष्ठभूमि में अपनी स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करती है। हम इस विचार को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं कि बलूच राष्ट्रीय प्रतिरोध किसी राज्य या शक्ति का प्रतिनिधि है। बीएलए न तो मोहरा है और न ही मूक दर्शक; बलूच लिबरेशन आर्मी एक गतिशील और निर्णायक पार्टी है। इस क्षेत्र के वर्तमान और भविष्य के सैन्य, राजनीतिक और रणनीतिक गठन में हमारा अपना उचित स्थान है और हम अपनी भूमिका से पूरी तरह अवगत हैं।" उसने कहा, "ऐसे समय में जब पाकिस्तान अपनी विफल सैन्य नीतियों और कूटनीतिक अलगाव से निराश होकर पारंपरिक धोखे और झूठी शांति के नारे लगा रहा है, हम भारत को एक बहुत ही स्पष्ट और स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं पाकिस्तान की ओर से शांति, युद्ध विराम और भाईचारे की हर बात महज एक धोखा, एक युद्ध की रणनीति और एक अस्थायी चाल है।

पाकिस्तान के वादों पर विश्वास करने का समय खत्म

बीएलए ने कहा है, "हम भारत और क्षेत्र के अन्य देशों से कहते हैं कि पाकिस्तान के वादों पर विश्वास करने का समय बीत चुका है। अब समय आ गया है कि उपमहाद्वीप और दुनिया इस आतंकवादी राज्य के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे। पाकिस्तान न केवल वैश्विक आतंकवादियों के लिए प्रजनन स्थल रहा है, बल्कि लश्कर-ए-तैयबा जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआईएस जैसे घातक आतंकवादी समूहों के राज्य प्रायोजित विकास का केंद्र भी रहा है। आईएसआई इस आतंकवाद के पीछे का नेटवर्क है और इसके तत्वावधान में पाकिस्तान हिंसक विचारधारा वाला एक परमाणु राज्य बन गया है, जो अपने लोगों और पूरी दुनिया के लिए ज्वालामुखी बन रहा है।"

परमाणु शक्ति पाकिस्तान को हरा रहे हैं

उन्होंने कहा, "मातृभूमि बलूचिस्तान पर हमारा सशस्त्र संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि बलूच राष्ट्र बिना किसी बाहरी सैन्य या वित्तीय सहायता के अपनी धरती पर दुनिया के सातवें परमाणु राज्य को हरा रहा है। हमने पहाड़ी मोर्चों, शहरी मोर्चों और हर दूसरे मोर्चे पर दुश्मन को असहाय कर दिया है। अगर हमें दुनिया से - खासकर भारत से - राजनीतिक, कूटनीतिक और रक्षा समर्थन मिले तो बलूच राष्ट्र इस आतंकवादी राज्य को खत्म कर सकता है और एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और स्वतंत्र बलूचिस्तान की नींव रख सकता है। एक ऐसा बलूचिस्तान जो न केवल उपमहाद्वीप में आतंकवाद के निर्यात को स्थायी रूप से रोकेगा बल्कि इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि का एक नया अध्याय भी शुरू करेगा।" बीएलए इस बात पर भी जोर देता है कि पाकिस्तान जैसे संकट को खत्म किए बिना उपमहाद्वीप में स्थायी शांति कभी नहीं हो सकती। जब तक यह राज्य मौजूद है, यह निर्दोषों के गले में फंदे कसता रहेगा

सुरक्षा के लिए 10 उपग्रह लगातार कर रहे निगरानी, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम के बीच इसरो चीफ का बयान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख वी नारायणन ने बताया है कि इसरो के 10 सैटेलाइट्स (उपग्रह) देश की सुरक्षा के लिए लगातार रणनीतिक उद्देश्य से निगरानी कर रहे हैं। इंफाल में रविवार को सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वी नारायणन ने ये जानकारी दी। इसरो प्रमुख ने कहा कि 'कम से कम 10 सैटेलाइट्स लगातार 24 घंटे रणनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति और देशवासियों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।'

सैटेलाइट्स की मदद से की जा रही निगरानी

वी नारायणन ने कहा कि 'आप सभी हमारे पड़ोसियों के बारे में जानते हैं। ऐसे में हमें देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैटेलाइट्स की मदद लेनी पड़ती है। हम 7000 किलोमीटर का इलाका कवर कर रहे हैं। साथ ही पूरे उत्तर पूर्व पर भी लगातार निगरानी की जा रही है और बिना सैटेलाइट्स और ड्रोन की मदद के हम इसे हासिल नहीं कर सकते।' इसरो चीफ का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बाद शनिवार शाम में ही संघर्ष विराम हुआ है। सेना ने बताया कि रविवार रात सीमा पर पूरी तरह से शांति रही और फायरिंग की कोई घटना नहीं हुई। गौरतलब है कि बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान में संघर्ष छिड़ गया। भारत ने 6-7 मई की मध्य रात्रि सटीकता से हमला करते हुए पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत के हमले में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की, लेकिन भारत के आगे उसकी एक न चली। शनिवार शाम को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम पर सहमति बनी। रविवार को तीनों सेनाओं के डीजीएमओ ने प्रेस ब्रीफिंग कर ऑपरेशन सिंदूर से हासिल किए गए लक्ष्यों की जानकारी दी। आज भी भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ स्तर की बातचीत हो रही है। इसके बाद दोपहर ढाई बजे एक बार फिर तीनों सेनाओं के डीजीएमओ प्रेस ब्रीफिंग कर हालात की जानकारी देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर भाजपा देशभर में निकालेगी तिरंगा यात्रा, 23 मई तक होगीं आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंगलवार से देशभर में 11 दिवसीय 'तिरंगा यात्रा' शुरू करेगी। यह यात्रा मोदी सरकार के दृढ़ नेतृत्व और सशस्त्र बलों की वीरता के बारे में लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए आयोजित की जा रही है। भाजपा के एक नेता ने बताया, पार्टी 13 से 23 मई तक चलने वाले अभियान में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारत के सफल अभियान के बारे में बताएगी और लोगों को एकजुट करने की कोशिश करेगी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि अभियान का स्वर बहुत अधिक राजनीतिक नहीं होगा और वे एक ऐसे मुद्दे पर लोगों को एकजुट करना चाहते हैं, जिसे समाज के सभी वर्गों का समर्थन मिला है। केंद्रीय मंत्रियों और संगठनात्मक पदाधिकारियों सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता अभियान में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं ने रविवार को इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया था। नड्डा ने इस कवायद को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को तरुण चुघ, विनोद तावड़े और दुष्यंत गौतम सहित पार्टी महासचिवों के साथ बैठक की।

बांग्लादेश में आतंकवाद के आरोपित नहीं कर सकेंगे प्रचार-प्रसार, शेख हसीना की पार्टी पर भी बैन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानून में संशोधन करते हुए ऐसे व्यक्तियों और संगठनों की किसी भी प्रकार की प्रचार-प्रसार गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिन पर आतंकवाद के तहत आरोप लगे हैं। यह कदम पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर रोक लगाने के एक दिन बाद उठाया गया है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने 11 मई 2025 को आतंकवाद विरोधी अधिनियम में संशोधन करते हुए एक अध्यादेश जारी किया, जिसमें आतंकवाद के आरोपित व्यक्तियों और संगठनों के किसी भी प्रकार के प्रचार-प्रसार पर रोक लगाई गई है। इसमें प्रेस विज्ञप्ति, सोशल मीडिया सामग्री और सार्वजनिक सभाएं शामिल हैं। यह निर्णय अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद आया है, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी है। इस प्रतिबंध के तहत पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ विशेष न्यायाधिकरण में परीक्षण पूरा होने तक सभी गतिविधियां रोक दी गई हैं। संशोधित कानून में अब "सूचीबद्ध व्यक्तियों या प्रतिबंधित संस्थाओं" के बजाय "ऐसे कोई भी व्यक्ति या संस्था जिनके खिलाफ धारा 18(1) के तहत कार्रवाई की गई है" शब्दों का उपयोग किया गया है, जिससे प्रतिबंध का दायरा व्यापक हो गया है। अंतरिम सरकार के इस कदम को विपक्षी दलों ने लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया है

अमेरिका चीन की वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 30% करेगा, बीजिंग 90 दिनों तक लगाएगा 10% कर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अमेरिका और चीन इस बात पर सहमत हुए हैं कि वे 90 दिनों की शुरुआती अवधि के लिए अपने पहले से घोषित पारस्परिक शुल्क और जवाबी शुल्क वापस ले लेंगे। इस बीच, चीन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाएगा, और अमेरिका चीनी वस्तुओं पर लगभग 30 प्रतिशत कर लगाएगा। सोमवार को एक संयुक्त बयान के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए उनके द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों के महत्व को पहचानते हुए अमेरिका और चीन के बीच सहमति बनी। दोनों देशों ने एक स्थायी, दीर्घकालिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक और व्यापार संबंधों के महत्व को पहचाना। दोनों देशों ने अपनी हालिया चर्चाओं पर विचार किया और माना कि निरंतर चर्चाओं में उनके आर्थिक और व्यापार संबंधों में प्रत्येक पक्ष की चिंताओं को दूर करने की क्षमता है। आगे बढ़ते हुए, दोनों देश आर्थिक और व्यापार संबंधों के बारे में चर्चा जारी रखने के लिए एक तंत्र स्थापित करेंगे। इन चर्चाओं के लिए चीनी पक्ष के प्रतिनिधि स्टेट काउंसिल के वाइस प्रीमियर हे लिफेंग होंगे, और अमेरिकी पक्ष के प्रतिनिधि ट्रेजरी के सचिव स्कॉट बेसेंट और यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर होंगे। दोनों देशों की ओर से एक संयुक्त बयान में कहा गया, "ये चर्चाएं चीन और अमेरिका में बारी-बारी से आयोजित की जा सकती हैं, या पार्टियों की सहमति से किसी तीसरे देश में की जा सकती हैं। आवश्यकतानुसार, दोनों पक्ष प्रासंगिक आर्थिक और व्यापार मुद्दों पर कार्य-स्तरीय परामर्श कर सकते हैं।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दर्जनों ऐसे देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाए थे, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है। बाद में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने कई देशों द्वारा व्यापार समझौते के लिए अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत शुरू करने के बाद 90 दिनों के लिए शुल्क रोकने का फैसला किया। 9 अप्रैल से शुरू होने वाले इन 90 दिनों में, राष्ट्रपति ट्रम्प सभी देशों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन शुल्क लगाते हैं। चीन के लिए, ट्रम्प ने संकेत दिया था कि शुल्क 245 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। अमेरिका के लिए, चीनी शुल्क 125 प्रतिशत थे। अपने दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद से, राष्ट्रपति ट्रम्प ने टैरिफ पारस्परिकता पर अपना रुख दोहराया है, इस बात पर जोर देते हुए कि संयुक्त राज्य अमेरिका निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने के लिए भारत सहित अन्य देशों द्वारा लगाए गए शुल्कों का मिलान करेगा।

कृषि मंत्री शिवराज का आदेश किसानों के उपज खरीद के भुगतान में न हो देरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के कृषि क्षेत्र की प्रगति के संबंध में सोमवार को कृषि भवन में समीक्षा बैठक की। इस दौरान मंत्री शिवराज सिंह ने किसानों से चना, मसूर, उड़द एवं अरहर की खरीद के संबंध में निर्देश देने के साथ ही अधिकारियों से कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाना चाहिए, जिससे कि किसानों को उनकी उपज खरीद का भुगतान होने में देरी नहीं हो, वहीं यह भी बताया गया कि देश में चावल और गेहूं का वास्तविक स्टॉक बफर मानक के मुकाबले काफी ज्यादा है। मंत्रालय की समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस बात पर संतोष के साथ ही प्रसन्नता व्यक्त की कि चावल-गेहूं का वास्तविक स्टॉक, बफर मानक के मुकाबले ज़्यादा है। चावल का वास्तविक स्टॉक 135.80 एल.एम.टी. के बफर मानक के मुकाबले 389.05 एल.एम.टी है। गेहूं का वास्तविक स्टॉक 74.60 एल.एम.टी. के बफर मानक के मुकाबले 177.08 एल.एम.टी. है। इस प्रकार चावल व गेहूं का वास्तविक स्टॉक 210.40 एल.एम.टी. के बफर मानक के मुकाबले 566.13 एल.एम.टी. है। गेहूं के लिए प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व बिहार हैं। कटाई की स्थिति 2 मई 2025 तक इस प्रकार है। इनमें मध्यप्रदेश में 100 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 94 प्रतिशत, राजस्थान 100 प्रतिशत, गुजरात 100 प्रतिशत, हरियाणा 100 प्रतिशत, पंजाब 97 प्रतिशत एवं बिहार 96 प्रतिशत गेहूं की कटाई पहले ही हो चुकी है। इन सभी राज्यों में फसल लगभग परिपक्वता चरण पार कर चुकी है, इसलिए लू या उच्च तापमान, यदि कोई हो, तो कटाई की प्रक्रिया को तेज कर देगा। इस प्रकार, दूसरे अग्रिम अनुमान ओलावृष्टि/लू की हालिया घटनाओं से प्रभावित होने की संभावना नहीं है। बैठक में मंत्री चौहान ने चना, मसूर, उड़द व अरहर की खरीद के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए इस संबंध में राज्यों को विशेष जोर देने को कहा, ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। चौहान ने एमएसपी पर खरीद व किसानों को होने वाले भुगतान के बीच के समय अंतराल को और कम करने की बात कहते हुए निर्देशित किया कि उपज खरीद के बाद किसानों को जल्द से जल्द भुगतान हो सके, इसके लिए और सुदृढ़ व्यवस्था होना चाहिए। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धान, दलहन, श्री अन्न-मोटे अनाज व तिलहन की उपज में प्रगति हुई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा